• जयपुर, गुरुवार 12 दिसंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 114 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई कर रहे हैं जमीनी स्तर पर नवीन...

पेज @4 सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जोधपुर में आयोजित होगा राज्य...

पेज @8 सुविधाओं को आमजन के सुनिश्चित करने एवं अनारक्षित यात्रियों के लिए यात्रा...

'राइजिंग राजस्थान समिट का यादगार समापन सत्र'

2026 में फिर होगा राइजिंग राजस्थान का आयोजन

मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में राजस्थान छू रहा विकास की नई ऊंचाइयां: केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान

11 दिसम्बर 2025 को एमओयू प्रगति की समीक्षा को लाएंगे जनता के सामने: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 11 दिसम्बर। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक भारत दुनिया का सबसे ताकतवर अर्थनीति बनेगा तथा राजस्थान भारत का अग्रणी राज्य होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रत्येक कोने में राजस्थान का उद्यमी मौजूद है तथा प्रत्येक राजस्थानी अब आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में नई ऊंचाइयां छू रहा है। प्रधान ने कहा कि केन्द्र सरकार राज्य के प्रमुख शैक्षणिक शिक्षा आईआईटी जोधपुर, केन्द्रीय विश्व विद्यालय जैसे संस्थान में एडवांस टैक्नोलॉजी लैब को स्थापित करने में मदद करेगी। राजस्थान की विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद 11 प्रतिशत की विकास दर प्रदेशवासियों की मेहनत को दर्शाती है। प्रधान बुधवार को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने अपने पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट का सफल आयोजन किया है तथा उनके नेतृत्व में राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

राजस्थान नवाचार व निवेश का बना नया केंद्र : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राइजिंग समिट में हुए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए पूरी शक्ति के साथ काम करेगी तथा अगले वर्ष 11 दिसंबर को इन सभी एमओयू के जमीन पर उतरने की कार्यवाही की समीक्षा कर जनता के सामने लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान का आयोजन 2026 में फिर से होगा। उन्होंने कहा कि असीम संभावनाओं से भरपूर राजस्थान में उद्यमिता एवं विकास के शिखर को छूने की क्षमता है। राजस्थान नवाचार व निवेश आकर्षण के एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समिट के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए गए हैं।

उद्यमों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने की कई पहल

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने कई अहम निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 11 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति, पांच नवीन औद्योगिक क्षेत्रों को भूखंड आवंटन, रीको द्वारा 8 औद्योगिक क्षेत्र नियोजित किए गए हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर लाने के लिए हम अगले तीन साल में जीआई टैग की संख्या को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जीआई टैग वाले उत्पाद गांव से ग्लोबल की तरफ बढ़ेंगे जो यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी विरासत भी' विजन को साकार करेंगे।

राजस्थान एमएसएमई नीति-2024 सहित 10 नीतियों से निवेश को मिलेगा बढ़ावा

शर्मा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग प्रदेश के औद्योगिक ढांचे की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र राजस्थान की जीएसडीपी में करीब 25 प्रतिशत योगदान दे रहा है। साथ ही, निर्यात में भी अहम भूमिका निभा रहा है। ये उद्योग समावेशी आर्थिक विकास, इनोवेशन और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन नीति-2024 एवं अन्य 9 नीतियां जारी की हैं।

नए उद्यमियों को निर्यातक बनाने के लिए नई निर्यात नीति—मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'निर्यात वृद्धि, सर्व समृद्धि' में विश्वास करती है जो निर्यातकों की समृद्धि और उनके सशक्तीकरण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान निर्यात संवर्धन नीति 2024 जारी की है। इसके तहत मुख्यमंत्री निर्यात वृद्धि अभियान में नए उद्यमियों को निर्यातक बनाने के लिए निर्यात प्रक्रिया एवं दस्तावेजीकरण के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। श्री शर्मा ने कहा कि एकीकृत क्लस्टर विकास योजना 2024 के माध्यम से हमने कच्चे माल के बैंक स्थापित कर हस्तशिल्पियों, बुनकरों और हथकरघा क्लस्टरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि एक जिला एक उत्पाद नीति 2024 लागू कर वोकल फोर लोकल को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। यह नीति हमारी पारंपरिक कला के संरक्षण और विकास में भी मददगार होगी।

मुख्यमंत्री ने किया सभी का धन्यवाद

मुख्यमंत्री ने एतिहासिक आयोजन के लिए सभी मंत्रिगण, निवेशकों, उद्योगपतियों, अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि समिट में विशेषज्ञों द्वारा आए नए आइडियाज से राजस्थान के भविष्य को उज्ज्वल एवं मजबूत बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार राजस्थान राइजिंग के साथ रिलायबल एवं रिसेप्टिव भी है जो खुद को रिफाइन करना भी जानता है। मोदी के राइजिंग राजस्थान के उद्घाटन सत्र में दिए गए वक्तव्य से टीम राजस्थान को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान पहले केवल पर्यटन के लिए जाना जाता था। लेकिन अब इस समिट के सफल आयोजन से प्रदेश उद्योग क्षमताओं के लिए भी जाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान लक्ष्य की प्राप्ति में यह समिट मील का पत्थर साबित होगा। हमने बजट में राज्य की आधारभूत संरचना को मजबूत करने पर पूरा ध्यान दिया है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी हम ब्रांडिंग, प्रमोशन तथा टूरिस्ट सर्किट विकसित करने पर फोकस कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों के कारण आज का दिन राज्य ही नहीं देश के लिए एतिहासिक अवसर है। यह समिट राज्य की क्षमता, आकांक्षाओं और संभावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विश्व भर के विभिन्न देशों में रोड शो किए गए जिनमें राज्य में निवेश के अवसर उपलब्ध कराने की राज्य सरकार की मंशा को दिखाया गया। इस समिट का सफल आयोजन यह दिखाता है कि सामूहिक प्रयासों के माध्यम से बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विभिन्न कंपनियों और उपक्रमों के एग्जीबिटर बूथ का जायजा लिया। शर्मा ने बिल्डिग ए सिक्योर नेशन बूथ पर आधुनिक हथियारों का निरीक्षण किया। उन्होंने हिंदुस्तान जिंक के बूथ पर 3 डी आईवीआर तकनीक के माध्यम से हिंदुस्तान जिंक की माइंस का वर्चुअल टूर किया। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा लगाए गए आई स्टार्ट राजस्थान बूथ पर रोबोटिक डॉग का रिमोट से संचालन भी किया। वे उत्तर पश्चिम रेलवे के बूथ पर भी पहुंचे और भारतीय रेलवे के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के मॉडल्स का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने सिंकटेक, धूत संगमरमर, हिंगोनिया पुनर्वास केंद्र और एंबेसी ऑफ डेनमार्क के एग्जीबिटर बूथ का भी दौरा किया।इस दौरान वर्ल्ड बैंक के कंट्री हैड ऑगस्ट तानो कुआमे, राज्य मंत्रिपरिषद् के सदस्य, अधिकारीगण, लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा सहित बड़ी संख्या में एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े उद्यमी उपस्थित रहे।

राजस्थान के व्यक्ति में उद्यमिता के गुण जन्म से ही मौजूद-केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान केवल पूंजी निर्माता ही नहीं बल्कि नॉलेज बेस्ड इकोनोमी है। यहां आईआईटी, आईआईएम, एम्स सहित सभी विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश को जॉब सीकर्स से ज्यादा जॉब क्रिएटर्स की जरूरत है। लेकिन राजस्थान के व्यक्ति को उद्यमिता सिखाने की जरूरत नहीं है उसमें यह खूबी जन्म से ही होती है। उन्होंने कहा कि जैसे खाड़ी देश विश्व अर्थनीति के केन्द्र हैं, वैसे ही भविष्य में जयपुर-जैसलमेर दुनिया के अर्थनीति के केन्द्र बनना तय हैं तथा यह समिट इसको दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधान ने कहा कि मुझे बताया गया है कि इस समिट में ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक एमओयू साइन हुए हैं जोकि एक प्रोग्रसिव पहल है। दुनिया में ऊर्जा की खपत अमरीका और चीन के बाद भारत में सर्वाधिक होती है। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य में ग्रीन एनर्जी तथा न्यू एनर्जी भी सृजित करेगा तथा राजस्थान इस क्षेत्र में लीडर पॉजिशन पर आ गया है। यहां हुए निवेशों से लोगों को संसाधन मिलेंगे, आय का सृजन होगा तथा आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी जिससे पूरा राज्य विकास की दौड़ में अग्रणी बन सकेगा। प्रधान ने कहा कि पहले बीमारू राज्य की श्रेणी में 'आर' राजस्थान को माना जाता था लेकिन अब वही 'आर' राजस्थान राइजिंग की तरफ बढ़ रहा है।

उपराष्ट्रपति धनकड़ ने जयपुर में लघु उद्योग भारती द्वारा बनाये गयें सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केंद्र का किया भव्य लोकार्पण

डिग्री पर डिग्री लेने से कुछ नहीं होगा,देश और संस्थाओं को अपमानित करने का हो रहा काम : उपराष्ट्रपति धनखड़

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी)। जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में लघु उद्योग भारती द्वारा सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केंद्र बनाया गया है। इसका लोकार्पण करने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जयपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कौशल विकास केंद्र में पौधारोपण भो किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यहां मैं वक्ता के तौर पर नहीं बल्कि, श्रोता के तौर पर आया हूं। नैं डॉक्टर साहब को सुनने यहां आया हूं। ऐसे स्थान पर आने से आयना दिख जाता है। उन्होंने कहा कि आज देश में आर्थिक विकास तो हो रहा है। भारत लंबी छलांग भो लग रहा है। जबकि एक दशक पहले हमारी अर्थव्यवस्था डगमगा रही थी। आज दुनिया में पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है। अगले कुछ सालों में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी। 2047 तक विकसित भारत बनेगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम भारतीय है, राष्ट्रवाद और राष्ट्रप्रेम से कभी समझौता नहीं कर सकते हैं। देश में जो बड़ो समस्या उभर रही है, उसका समाधान हमारे सानने है। लघु उद्योगों के मामले में भारत सरकार का मंत्रालय भी बहुत सक्रिय है। मैंने भी कई बार उनसे चर्चा की। भारत ने कौशल के ज्ञानी लोगों को दुनिया को दिया है। आज शिक्षा और कौशल दोनों जरूरी है।

सीतापुरा में बनाया गया है कौशल केंद्र

लघु उद्योग भारती द्वारा सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में सवा लाख स्कायर फीट क्षेत्र में बहुमंजिला कौशल केंद्र का निर्माण किया गया है। जहां प्रदेश के युवाओं को अकाउंट्स, फैशन, हैंडीक्राफर, इलेक्ट्रिशियन, डिजिटल स्केल के साथ ही स्टार्ट अप को विकसित करने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे पहले मंगलवार को लोकार्पण से पूर्व कौशल विकाश केंद्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी द्वारा पूजा अर्चना कर हवन किया गया। जिसमें लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रकाश चंद्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताराचंद गोयल, प्रदेश अध्यक्ष शांतिलाल बालड़, जोधपुर प्रांत संयुक्त महासचिव सुरेश विश्नोई, नवरतन नारानिया और सुनीता शर्मा ने हवन में आहुति दी। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रकाश चंद्र ने कहा कि ये कौशल केंद्र प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। जिसके लोकार्पण कार्यक्रम में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में उद्यमी शामिल होंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण किया गया है। जिसनें कौशल को भी स्थान दिया गया है। डिग्री पर डिग्री लेने से कुछ नहीं होगा। किसी काम का कौशल रखने से आप समाज को अपना योगदान दे सकते हैं। विकसित भारत का देश में जो हवन हो रहा है। उसमें आपकी आहुति बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज में आज संतुलन की आवश्यकता है। हम बाहर से उन वस्त्रों को आयात करते हैं। जो हमारे देश में बनते हैं।जबकि लोकल फॉर वोकल हमारी आवश्यकता है। ऐसा करने से हमारे विदेशी मुद्रा के भंडार में छेद होता है। मुझे पता है विदेशी मुद्रा भंडार की कितनी अहमियत है। आज विदेशी मुद्रा का भंडार 700 मिलियन डॉलर हो चुका है। जबकि एक समय यह मैच महज मिलियन डॉलर था। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से मजबूर होने के साथ ही संस्कारवान होना भी बेहद जरूरी है। हम भौतिक आवश्यकताओं में इतने व्यस्त हैं कि बच्चों को संस्कार और नैतिकता का पाठ नहीं पढ़ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को लेकर आज पूरी दुनिया चिंतित है। क्योंकि कोई दूसरी पृथ्वी हमारे पास रहने के लिए नहीं है। क्लाइमेट चेंज हर व्यक्ति का कर्त्य है। यह एक बड़ी समस्या है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि कुछ ऐसी ताकत देश नें और बाहर है, जो भारत की प्रगति को पचा नहीं पा रही है। वह देश को खंडित और देश की संस्थाओं को सुनियोजित तरीके से अपमानित करने का काम कर रही है।

12वीं फैल बच्चे के लिए कुछ नहीं : राजस्थान के युवा अपने कौशल के लिए परेशान रहते थे, उनके लिए लघु उद्योग भारती द्वारा कौशल विकारा केंद्र बनाया है। एक और जहां आईआईटी, एमबीए है, वहीं दूसरी और कोई बच्चा अगर 12वीं में फैल हो गया, उसके लिए कुछ नहीं है। अब हमारा केंद्र उन्हें कौशल देगा। कृष्ण गोपाल ने कहा कि कपड़ों से लेकर हीरे जवाहरात भारत से पूरी दुनिया में जाता है। हमारा देश सिर्फ कृषि प्रधान नहीं बल्कि, छोटे छोटे उद्योगों वाला देश था। लेकिन अग्रेजों के आने के बाद भारत सिर्फ कृषि तक सोमित रह गया। भारत गरीब देश नहीं था, अग्रेजों में भारत को गलत दिशा में मोड़ दिया था। न अब हम फिर से अलग दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। एमएसएमई के माध्यम से 8 करोड़ लोगों को आज रोजगार मिल रहा है।

सनातन संस्कृति की ध्वजा विश्व में फहरा रहा गीता प्रेस

मानव इतिहास में धर्म स्थापना के लिए हुए सबसे भीषण महायुद्ध के बीच भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का ज्ञान आज भी अमृत रूप में प्रवाहित हो रहा है। श्रीमद्भगवत गीता केवल अर्जुन के लिए नहीं, सनातन समाज के लिए भी नहीं बल्कि विश्व मानवता के शुभ के लिए ईश्वरीय संदेश है। गीता के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को जान सकता है और ईश्वरीय सत्ता का अनुभव भी कर सकता है। गीता जयंती मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की मोक्षदा एकादशी तिथि को मनाई जाती है। यह वही दिन है जब श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। गीता के ईश्वरीय संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य 'गीता प्रेस गोरखपुर' द्वारा पिछले 102 वर्षो से बिना रुके पूरे श्रद्धाभाव से किया जा रहा है।

भारत के घर–घर में श्रीमद्भगवत गीता और रामायण की प्रति पहुंचाने का श्रेय गीता प्रेस को ही जाता है। गीता प्रेस अब तक श्रीमद्भगवत गीता की 16 करोड़ 21 लाख प्रतियां प्रकाशित कर श्रद्धालु पाठकों तक पहुंचा चुका है। अब तक 41 करोड़ 71 लाख पुस्तकें छापकर विश्व का सबसे बड़ा प्रकाशन संस्थान होने के बाद भी आश्चर्य की बात यह है कि गीता प्रेस न तो किसी से चंदा लेता है और न ही अपने प्रकाशनों में विज्ञापन ही स्वीकार करता है। जब वर्ष 2021 में गीता प्रेस को उसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए भारत सरकार का गरिमामय 'महात्मा गांधी शांति पुरस्कार' प्रदान किया गया तो संस्थान ने पुरस्कार को पूरे सम्मान के साथ ग्रहण किया, पर इसके साथ प्रदान की जाने वाली एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि सरकार वापस लौटा दी थी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस संस्थान को देखने के लिए आए थे। लागत मूल्य से 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर बहुमूल्य पुस्तकें पाठकों तक पहुंचाने वाला गीता प्रेस वास्तव में सामाजिक–धार्मिक जागरण का एक आंदोलन ही है।

भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की पावन धरा उत्तर प्रदेश का प्रवास तो मेरा पहले भी होता ही रहा है किन्तु इसी वर्ष संयोग से संगठन के कार्य से मुझे गोरक्ष प्रांत यानी गोरखपुर सहित आसपास के क्षेत्रों का प्रभार सौंपा गया। ऐसे में गोरखपुर में गोरक्ष पीठ सहित एक महत्वतपूर्ण तीर्थ गीता प्रेस के दर्शन का सौभाग्य भी मिला। प्रकाशन का केंद्रीय कार्यालय गोरखपुर में ही है। हिन्दू धर्म, अध्यात्म, दर्शन सहित मानव कल्याण के अनेक विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित कर चुका गीता प्रेस आधुनिक समय का तीर्थ ही है। राजा भागीरथ के महान तप से पुण्य प्रवाहिनी मां गंगा का धरती पर अवतरण संभव हो सका था। इक्ष्वाकु वंश के राजा भागीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए गंगा को धरती पर लाने का प्रण पूर्ण किया था। इसी प्रकार गीता प्रेस के संस्थापक, ब्रह्मलीन जयदयालजी गोयंदका के ऐसे ही महान तप का सुफल यह प्रकाशन है। वैसे तप तुलना का विषय नहीं है किन्तु धर्म, संस्कृति, अध्यात्म, भक्ति एवं मानवता के उद्धार के लिए गोयंदका जी द्वारा स्थापित गीता प्रेस आज भी पुण्य प्रवाहमयी ज्ञान सरिता है।

गीता प्रेस के आदि संपादक हनुमान प्रसाद पोद्दार 'भाईजी' के उल्लेख के बिना गीता प्रेस की चर्चा पूर्ण नहीं होगी। भाईजी वीर सावरकर के निकट के क्रांतिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। अपने मौसेरे भाई जयदयाल के अगाध गीता प्रेम एवं ज्ञान को देखते हुए भाईजी ने श्रीमद्भगवत गीता को लागत मूल्य से भी कम में जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस संकल्प की पूर्ति के लिए अपने एक प्रकाशन की आवशयकता थी जो गोरखपुर में प्रारंभ हुआ। प्रचार–प्रसार से दूर एक अकिंचन सेवक और निष्काम कर्मयोगी की तरह भाईजी ने सनातन संस्कृति की मान्यताओं को घर–घर तक पहुँचाने में जो अतुलनीय योगदान दिया है, इतिहास में इसका उदाहरण मिलना कठिन है। गीता प्रेस का मुख्य उद्देश्य हिंदू धर्म के सिद्धांतों को गीता, रामायण, उपनिषद, पुराणों, प्रख्यात संतों के प्रवचन एवं चरित्र–निर्माण की अन्य पुस्तकें–पत्रिकाएं प्रकाशित कर इन्हें लागत मूल्य से भी कम कीमत में समाज में पहुंचाना है। गीता प्रेस मानव जीवन के उत्थायन और सभी की भलाई के लिए प्रयासरत है। इसका उद्देश्य शांति, आनंद और मानव जाति के अंतिम उत्थान के लिए गीता में प्रतिपादित जीवन जीने की कला को बढ़ावा देना है। संस्थान का संचालन कोलकाता के गोविंद भवन द्वारा किया जाता है। इसका प्रबंधन एक गवर्निंग काउंसिल (ट्रस्ट बोर्ड) करती है। गीता प्रेस में दिन की शुरुआत सुबह की प्रार्थना से होती है। एक व्यक्ति दिनभर घूम–घूम कर प्रत्येक कार्यकर्ता को कई बार भगवान का नाम स्–मरण कराता है। गीता प्रेस के अभिलेखागार में भगवद् गीता की 100 से अधिक व्याख्याओं सहित 3,500 से अधिक पांडुलिपियां रखी हैं। गीता प्रेस के मासिक पत्रिका ग्रंथ 'कल्याण' के नए संस्करण के साथ 3000 से अधिक ऑनलाइन संग्रह उपलब्ध हैं। 4 मई, 1923 को गीता प्रेस की स्थापना की गई थी तब पुस्तकें छापने का काम बोस्टन कंपनी की प्रिंटिंग प्रेस से शुरू किया गया था। पैरों से चलाई जाने वाली यह मशीन 500 रुपये में अमेरिका से मंगवाई गई थी। अब संस्थान आधुनिक संसाधनों का सदुपयोग करता है इसीलिए मैनुअल और मशीन दोनों माध्यमों से प्रकाशन का काम होता है। गीता प्रेस इन अर्थों में भी विश्व का अनूठा प्रकाशन है क्योंकि यह अपनी पुस्तकों में मात्रात्मक, व्याकरणिक, शाब्दिक अथवा तथ्यात्मक त्रुटि बताने वाले को पुरस्कृत करता है हालांकि पुस्तकों में ऐसी त्रुटियां मिलती नहीं हैं।

बीते वर्षों में मीडिया में इस प्रकार के समाचार आए थे कि गीता प्रेस आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण बंद होने की कगार पर है किन्तु संस्थान के भ्रमण में यह भी जानने मिला कि स्थिति ऐसी नहीं है। समाज के सहयोग से गीता प्रेस 300 करोड़ रुपए वार्षिक टर्नओवर वाला समृद्ध संस्थान है और प्रति वर्ष 17 भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित कर रहा है। संस्थान ने अपनी पुस्तकें इंटरनेट पर ऑनलाइन भी उपलब्ध कराई हैं जहां से कोई भी इन्हें डाउनलोड कर सकता है और यह पूरी तरह निशुल्क है। संस्थान का कार्यालय भी दर्शनीय है। इसके भव्य प्रवेश द्वार के स्तंभ एलोरा के प्राचीन गुफा–मंदिर के स्तंभों की शैली में निर्मित हैं। वहीं अर्जुन के रथ के सारथी बन श्रीकृष्ण गीता का उपदेश दे रहे हैं। प्रवेश द्वार का शिखर दक्षिण भारत के मीनाक्षी मंदिर के शिखर का स्मरण कराता है। इस प्रवेश द्वार का उद्घाटन 29 अप्रैल, 1955 को प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया था। संस्थान के परिसर में लीला चित्र मंदिर (आर्ट गैलरी) में 684 सुंदर चित्रों में भगवान राम और भगवान कृष्ण की लीलाओं को प्रदर्शित किया गया है। ये अलग–अलग समय के महान कलाकारों की कृतियां हैं। इनके अलावा अन्य पेंटिंग भी प्रदर्शित हैं। श्री कृष्ण लीला को दर्शाने वाली पुरानी मेवाड़ी शैली की 92 पेंटिंग दर्शनीय है। दीवारों पर संगमरमर के ब्लॉकों पर पूरी गीता उकेरी गई है, साथ ही लगभग 700 दोहे और संतों के छंद भी हैं। गीता प्रेस आधुनिक समय में हिन्दू धर्म, संस्कृति की पताका पूरे विश्व में फहरा रही है। जब भी बात हिन्दू धर्म के महान ग्रंथों की होती है तो सहज ही गीता प्रेस का नाम ध्यान में आ जाता है। आज की घोर व्यावसायिकता के युग में गीता प्रेस लोक कल्याण की भावना से प्रामाणिक पुस्तकें समाज को उपलब्ध करा रहा है। गीता प्रेस की यह पुण्य सलिला निरंतर प्रवाहमान रहने वाली है।

शांति और शीतलता देने वाला कल्पवृक्ष है गीता

ललित गर्ग

गीता ही एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी हर साल जयंती मनाई जाती है। प्रत्येक वर्ष मार्गशीर्ष महीने की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को यह पर्व मनाया जाता है। गीता को श्रीमद्भगवद्गीता और गीतोपनिषद के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण के द्वारा अर्जुन को जो उपदेश दिए गए उसे गीता कहा जाता है। गीता के उपदेश में जीवन जीने, धर्म का अनुसरण करने और कर्म के महत्व को समझाया गया है। गीता के उपदेशों का अनुसरण करने से समस्त कठिनाइयों और शंकाओं का निवारण होता है। गीता जयंती श्रीमद्भगवद्गीता के आगमन का शुभ दिन है। श्रीमद्भगवद्गीता दुनिया का सबसे श्रेष्ठ ग्रंथ है। गीता में श्रीकृष्ण के द्वारा बताए गए उपदेशों पर चलने से व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। गीता के उपदेश में जीवन को जीने की कला, प्रबंधन और कर्म सब कुछ है। श्रीमद् भगवद् गीता स्वधर्म और कर्तव्य पथ का मार्ग प्रशस्त करती है। यह भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच होने वाला संवाद है। गीता कई सदियों पुराना ग्रंथ है, इसके हर शब्द में निहित तर्क, ज्ञान, जीवनदृष्टि एवं संसार को देखने एवं जीने का सार्थक नजरिया इसे एक कालातीत, सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक मार्गदर्शक बनाता है। भगवद गीता के चिरस्थायी मार्गदर्शक सिद्धांतों को समझने से हमें रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे और क्यों की गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यह एक अलौकिक, अद्भुत एवं कालजयी रचना है, जो हमें हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपरा से परिचित कराती है। इसके श्लोकों में हमें रोजमर्रा की जिंदगी की विभिन्न समस्याओं का समाधान खोजने, जीवन की सच्चाई से परिचित होने और अंधविश्वास एवं झूठी मान्यताओं से मुक्ति पाने में मदद मिल सकती है। गीता का ज्ञान हमारे संदेहों एवं शंकाओं को दूर करता है और हमारे आत्मविश्वास का निर्माण करता है। सारांश रूप में देखा जाए तो गीता में आत्मा की नश्वरता (अमरता) 'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः' और कर्म (कर्तव्य पालन) 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का उपदेश दिया गया है। श्रीमद् भगवद गीता एक प्रमुख हिंदू धर्मग्रंथ है जो महाकाव्य महाभारत का एक हिस्सा है। जिसमें दोहे/श्लोक हैं, इसके पाठ को संरचनात्मक रूप से 18 अध्यायों में विभाजित किया गया है। भगवद गीता को एक राजकुमार अर्जुन और भगवान के अवतार श्रीकृष्ण के बीच एक संवाद के रूप में प्रस्तुत किया गया है। महाभारत युद्ध शुरू होने से ठीक पहले का यह संवाद सृष्टि की अनमोल धरोहर है। सुलह के कई प्रयास विफल होने के बाद, युद्ध अपरिहार्य था। आखिररकार युद्ध का दिन आ गया और सेनाएं युद्ध के मैदान में आमने–सामने हुईं। जैसे ही युद्ध शुरू होने वाला था, अर्जुन ने विरोधी ताकतों पर अधिक बारीकी से नजर रखने के लिए अपने सारथि श्रीकृष्ण से रथ को युद्ध के मैदान के बीच में ले जाने के लिए कहा। श्रीकृष्ण ने रथ आगे बढ़ाया और भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य के सामने ले जाकर खड़ा कर दिया। अर्जुन ने जब कौरव सेना में अपने कुटुम्ब के लोग देखे तो वह निराश हो गए थे। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मैं युद्ध नहीं चाहता। मैं संन्यास लेना चाहता हूं। अपने कुटुम्ब के लोगों को मारकर मिलने वाला राज्य मेरे लिए किसी काम का नहीं है। अर्जुन उनसे लड़ने के बारे में नैतिक दुविधा की स्थिति में होकर धनुष छोड़ देते और श्रीकृष्ण से मदद मांगते हैं। श्रीकृष्ण अर्जुन को किंकर्तव्यविमुढ़, मोहग्रस्त एवं सांसारिकता में उलझा हुआ देखकर बोध देते हैं। इन दोनों के बीच जो बातचीत हुई, श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो सलाह, संदेश और उपदेश दिए, उसे अब भगवद गीता के नाम से जाना जाता है। असल में गीता कोरा ग्रंथ नहीं, जीवन–दर्शन है। सदियों पहले दिये गये भगवान श्रीकृष्ण के गीता के उपदेश आज के समय में लोगों के जीवन की घोर निराशा, परेशानियों, सांसारिकता से निकालने का काम करते हैं। गीता को न सिर्फ हिंदू बल्कि दूसरे धर्म से जुड़े लोग भी अपने जीवन में अपनाते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा कि जब–जब धर्म की हानि होती है, दुष्टों की दृष्टि का विस्तार होता है और अधर्म की वृद्धि होती है तब–तब मैं अवतार लेता हूं. या प्रतिनिधि के रूप में किसी महापुरुष को भेजता हूं ताकि विश्व के अंदर शांति तथा धर्म का साम्राज्य स्थापित हो सके। गीता को श्रीमद्भगवद्गीता और गीतोपनिषद के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि गीता के उपदेशों का अनुसरण करने से समस्त कठिनाइयों और शंकाओं का निवारण होता है। गीता में श्रीकृष्ण के द्वारा बताए गए उपदेशों पर चलने से व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। गीता के उपदेश में जीवन को जीने की कला, प्रबंधन और कर्म सब कुछ है। गीता के उपदेश के जरिए श्रीकृष्ण ने मनुष्य को अच्छे–बुरे और सही–गलत का फर्क बताया है। इस दिन गीता का पाठ करने से, उसके उपदेश पढ़ने से व्यक्ति को जीवन उजाला मिलता है, मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके अलावा इस दिन पितरों के नाम से तर्पण करने से आपके पितरों को भी मोक्ष की प्राप्ति होती है। उपवास रखने से व्यक्ति का मन पवित्र होता है और शरीर स्वस्थ होता है। साथ ही व्यक्ति को पापों से छुटकारा मिलता है एवं जीवन में सुख शांति का अनुभव होता है।

गीता के पहले अध्याय में अर्जुन के प्रश्नों की बौछार के आगे श्रीकृष्ण मौन थे। अर्जुन श्रीकृष्ण से लगातार प्रश्न कर रहे थे। युद्ध न करने के निर्णय को सही बताते हुए अपने तर्क दे रहे थे। लेकिन, श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कुछ नहीं कहा। श्रीकृष्ण का मौन देखकर अर्जुन की आंखों से आंसू बहने लगे तब भगवान ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। जब तक व्यक्ति स्वयं को बुद्धिमान मानता है और व्यर्थ तर्क देता है, तब तक भगवान मौन रहते हैं। लेकिन, जब व्यक्ति अहंकार छोड़कर भगवान की शरण में चला जाता है, तब वे भक्त के सभी प्रश्नों के उत्तर देते हैं। जब हम अहंकार छोड़ देते हैं, तब ही भगवान की कृपा मिलती है। अर्जुन की आंखों में जब आंसू आ गए, तब श्रीकृष्ण ने अर्जुन के अज्ञान एवं मोह को दूर करने के लिए उपदेश दिया। गीता में भगवान ने अर्जुन को कर्म और कर्तव्य का महत्व समझाया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि उठो और अपना कर्म करो। सभी तरह के मोह का त्याग करो और युद्ध करो। श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं, 'पार्थ! तुम केवल कर्म करो, फल की चिन्ता मत करो।' श्रीकृष्ण का यह संदेश केवल अर्जुन के लिये नहीं, सम्पूर्ण मानव जाति के लिये था। कर्म के प्रति आसक्ति मनुष्य के अन्दर 'मैं' का भाव पैदा करती है। गीता मनुष्य को इस 'मैं' से मुक्त करके निष्काम कर्म का संदेश देती है। भगवान कहते हैं कि अगर कोई निरंतर निराकार की भक्ति कर सकता है, तो वह भी मुझे पा सकता है। भारतीय संस्कृति में गीता का स्थान सर्वोच्च है। भारतीय साधु–संन्यासियों के अन्तरतम में वीणा की झंकार की तरह गीता के श्लोक झंकृत होते हैं। कथा–प्रवचनों से लेकर घर–घर तक जीवन–सुधार परक उपदेश, नीति–नियमों का जो भी ज्ञान दिया जाता है, उसमें गीता का प्रकाश कहीं न कहीं अवश्य निहित जान पड़ता है। धरती पर शायद ही ऐसा कोई स्थान हो, जो गीता के प्रभाव से मुक्त हो। भारत भूमि तो उसके स्पर्श से धन्य हो गई है। गीता को, धर्म–अध्यात्म समझाने वाला अमोल काव्य कहा जा सकता है। सभी शास्त्रों का सार एक जगह कहीं यदि इकट्ठा मिलता हो, तो वह जगह है–गीता। गीता रूपी ज्ञान–गंगोत्री में स्नान कर अज्ञानी सद्ज्ञान को प्राप्त करता है। पापी पाप–ताप–संताप से मुक्त होकर संसार सागर को पार कर जाता है।गीता का गान करते–करते मनुष्य उस भावलोक में प्रवेश कर जाता है, जहाँ उसे अलौकिक ज्ञान–प्रकाश, अपरिमित आनन्द प्राप्त होता है। वह न कोई शास्त्र है, न ग्रन्थ है। वह तो सबको शीतल छाया देने वाला, ज्ञान का प्रकाश देने वाला, शंकाओं एवं आशंकाओं को दूर करने वाला कल्पवृक्ष है।

गीता में राष्ट्रीय ग्रंथ बनने के सारे तत्व मौजूद

सुरजीत झा

श्रीमद्भागवत गीता भारत की ज्ञान परंपरा का प्रतिनिधि ग्रंथ ही नहीं बल्कि धर्मसंकट और ऊहापोह की विकट परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन करनेवाली सम्पूर्ण विश्व की अमूल्य धरोहर है। मान्यता है कि वेदों का सार उपनिषद और उपनिषद का सार गीता है। इसके सात सौ श्लोकों में भक्ति, ज्ञान और कर्मयोग की विस्तृत व्याख्या है जिसके माध्यम से ईश्वर को जानने और स्वयं को पहचानने का ज्ञान मिलता है। यह हमें जीवन को जीने का सर्वश्रेष्ठ तरीका सिखाती है। दुनिया के प्रमुख गन्थों में गीता ही एक ऐसा ग्रन्थ है जिसका अध्ययन व्यक्ति में सकारात्मक सोच और बौद्धिक विकास का दायरा बढ़ाता है। तभी तो इसके सौ से ज्यादा भाष्य लिखे जा चुके हैं जबकि अन्य धर्मग्रन्थों की तो व्याख्या ही निषिद्ध है। यद्यपि दुनिया के प्रत्येक धर्मग्रन्थों का प्रत्येक धर्म के अनुयायियों द्वारा सम्मान किये जाने की अघोषित सहमती है तथापि दुनिया के अनेक देशों में राष्ट्रीय झंडा, चिन्ह और पशु–पक्षी की तरह राष्ट्रीय ग्रन्थ भी है। लेकिन, अपने देश में जब भी विलक्षण ग्रन्थ गीता को राष्ट्रीय महत्व देने की बात उठती है, तथाकथित धर्मनिरपेक्षतावादी सेकुलरिज्म की ओट में विरोध करने लगते हैं। विलक्षण इसलिए कि यह सनातन धर्मावलम्बियों का आध्यात्मिक ग्रन्थ होने के साथ–साथ दार्शनिक ग्रन्थ भी है।

मान्यता है कि महाभारत के दौरान मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन कुरक्षेत्र में युद्ध के दौरान विपक्षी सेना में अपने ही परिजनों को देख जब अर्जुन पलायनवादी हो गए और सारथी बने श्रीकृष्ण को ही युद्ध की भयावहता का उपदेश देने लगे, तब श्री कृष्ण मुखर हुए और उन्होंने अर्जुन को ना सिर्फ अपने विराट स्वरूप का दर्शन करवाया बल्कि प्रवृति और निवृत्ति दोनों प्रकार के वैदिक धर्म का ज्ञानामृत पान करवाया। उन्होंने इस तरह से ज्ञान और कर्म दोनों प्रकार के धर्म का उपदेश दिया जो युगांतरकारी ग्रन्थ के रूप में गीता है। श्रीकृष्ण और अर्जुन के मध्य यह अमर – सम्वाद आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना महाभारत के समय शोक–मोह ग्रस्त अर्जुन के लिए था। यह शोक–मोह से मुक्ति और प्रत्येक संघर्ष में विजय का मूलमंत्र है।

श्रीमदभगवद गीता के 18वें अध्याय में सच्चिदानंद भगवान के मुखारविंद से प्रस्फुटित 68वें और 69वें श्लोक का यह भावार्थ– "इसमें कोई संदेह नहीं कि जो गीताशास्त्र का प्रसार करेगा, संपूर्ण धरा पर मुझे उससे परम प्रिय दूसरा कोई न होगा..." ही गीता प्रेस की स्थापना का आधार बना। ईश्वरीय आदेश पर श्री मदभागवत गीता को जन – जन तक पहुंचाने का जो संकल्प जयदयाल जी गोयंदका ने लिया था, वह सौ वर्ष की स्वर्णिम यात्रा में 165 रूपों में जन – जन को कर्मज्ञान से अभिसिंचित कर रहा है। गीता प्रेस के संस्थापक 'सेठ जी' जय दयाल गोयंदका ने वर्ष 1921 में कोलकाता में गोविंद भवन ट्रस्ट की स्थापना की थी। बाद में वे कोलकाता से गोरखपुर आए और गीता का प्रकाशन शुरू किया। गोरखपुर स्थित गीता प्रेस में प्रतिदिन श्रीमदभगवद गीता की 23 हजार प्रतियों का 15 भाषाओं में प्रकाशन और लागत से भी कम कीमत पर बिक्री हो रही है। गीता प्रेस में प्रतिदिन 70 हजार से अधिक विभिन्न पुस्तकों का प्रकाशन हो रहा है।

कुछ अन्य संस्थाओं ने भी गीता का प्रकाशन किया परन्तु जिस पाठक को जिस स्वरूप में श्रीमद भगवद्गीता चाहिए थी, उसे उसी स्वरूप में उपलब्ध कराने का संकल्प गीता प्रेस ने ही पूरा किया। श्रीमद भगवद्गीता का प्रकाशन हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, बांग्ला, असमिया, कन्नड़, मलयालम, तमिल, तेलगु, उर्दू, मराठी, नेपाली एवं पंजाबी भाषाओं में हो रहा है। हिंदी एवं बांग्ला भाषा वाली शीमद भगवदगीता के बाद गुजराती गीता की है। वर्ष 2021 – 22 में हिंदी गीता की 30.80 लाख, बांग्ला गीता की 7.17 लाख तथा गुजराती गीता की 4.09 लाख प्रतियां बिकी। गीता प्रेस से श्रीमद भगवद्गीता एवं कल्याण पत्रिका के बाद सर्वाधिक बिक्री श्रीराम चरित मानस और तुलसीकृत अन्य साहित्य की मार्च 2023 तक 12 करोड़ 17 लाख प्रतियां बिक चुकी थी। गीता प्रेस द्वारा स्थापना काल से मार्च 2023 तक 92.65 करोड़ पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है जिसमें 16.92 करोड़ प्रतियां श्रीमद भगवद्गीता की है। एक पृष्ठ की सूक्ष्म गीता एक रुपया में तो वृहदाकार गीता 800 रुपए में उपलब्ध है। पांच रुपए वाली अति लघु और पंद्रह रुपए की माचिस की डिब्बी के आकार वाली गीता की हर भाषा में मांग है।

मार्ग शीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी को भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था, इसी वजह से यह 'गीता का अवतरण दिवस' मनाया जाता है। गीता एकमात्र ऐसी पुस्तक है, जिसकी जयंती मनाई जाती है। आदि शंकराचार्य ने भी गीता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा है कि इसे ग्रहण भी करना है और इसका आचरण भी करना है। भारतीय प्रबंधकीय शिक्षा में भगवान श्री कृष्ण के उपदेश और गीता सार को स्वीकार किया गया है। जब प्रबंधन की शिक्षा गीता के अध्ययन से दिलायी जा सकती है तो फिर शिक्षा में गीता का पाठ क्यों नहीं शामिल किया जा सकता, जबकि मिशनरियों और मदरसों में धर्म के पाठ धार्मिक प्रतीक चिन्हों के साथ खूब पढ़ाये जाते हैं? वर्तमान केंद्र सरकार से निवेदन–सह–अपेक्षा है कि पवित्र और गौरवशाली ग्रंथ गीता के सार को पाठ्यक्रम में शामिल करते हुए इसे राष्ट्रीय ग्रंथ का सम्मान प्रदान करें।

(लेखक, जोहार कलमकार मंच झारखंड, गोड्डा के उपाध्यक्ष हैं।)

प्रेरणा के प्रमुदित प्रलेख रचती एक पुस्तक

प्रमोद दीक्षित मलय

पुस्तकें जीवन में उमंग, उल्लास एवं उत्साह जगाती हैं। वे पाठक को संवारती–दुलारती हैं तो सीख–उपदेश भी देती हैं जैसे कोई मां अपने वत्स को सत्पथ पर बढ़ने को प्रेरित करती है। पुस्तके जीवन की कटुता और कलुषता का हरण कर सरसता–मधुरता घोलती हैं। और जब कोई पुस्तक ऐसे व्यक्तित्व पर केंद्रित हो जिसका जीवन समाज रचना और लोकहित को समर्पित रहा हो तो वह हर पाठक के लिए पाथेय बन जाती है। शब्द–शब्द में साधना की ऊर्जा और ऊष्मा सहेजे एक ऐसी ही पुस्तक मेरे सम्मुख है – कैलाश नाथ : पत्रकारिता के प्रेरक व्यक्तित्व, जो सम्बंधित व्यक्तित्व के न केवल संघर्षमय जीवन की झांकी दिखाती है अपितु विचारों की प्रतिबद्धता, प्रखरता और प्रामाणिकता के दृश्य भी प्रस्तुत करती है; प्रेरणा के प्रमुदित प्रलेख रचती है। पुस्तक के संपादक डॉ. ब्रजेश कुमार यदुवंशी संपादकीय में लिखते हैं, "इतिहास सदैव उन लोगों को महत्व देता है जिन्होंने जनकल्याणकारी कार्य कर–के मनुष्य को नया मार्ग और दृष्टि देने का कार्य किया है।" वास्तव में भारत की आत्मा ही लोकहितैषी लोकोन्मुख गति सिद्ध है तो उस भावभूमि में पला व्यक्ति लोकोपकारी क्यों न हो। पाठकों के लिए यह संदर्भ देना उचित होगा कि कैलाश नाथ जी ने समाचार पत्र प्रकाशन के लिए आवशयक संसाधनों के अभाव में भी जिजीविषा, दृढता एवं संकल्पशक्ति के बल पर पूर्वांचल के जौनपुर की समृद्ध धरा पर एक सांध्यकालीन अखबार 'तरुणमित्र' का पौधा 8 अक्टूबर, 1978 को रोपा था जो तमाम झंझावातों, चुनौतियों एवं बाधाओं से जूझते आज देश के पत्रकारिता जगत की मुख्य धारा का प्रतिष्ठित समाचार पत्र बन वटवृक्ष सा स्थापित हो गया है। आरम्भ काल से ही तरुण मित्र अपने तेवर और खबरों की सत्यता एवं प्रामाणिकता के लिए न केवल सामान्य जनता, प्रशासनिक अधिकारियों अपितु विभिन्न अखबारों से सम्बद्ध संवाददाताओं के लिए भी महत्वपूर्ण स्रोत था। आगे चलकर तरुणमित्र ने प्रातःकालीन दैनिक के रूप में पत्रकारिता जगत में प्रतिष्ठा प्राप्त की। पुस्तक "कैलाश नाथ : पत्रकारिता के प्रेरक व्यक्तित्व" के संस्मरण एक ऐसे विजिगीषु वृत्ति कर्मसाधक का प्रेरक व्यक्तित्व निरूपित करते हैं जिसने संसाधनों के बिना ही केवल संकल्प, सत्साहस एवं लक्ष्य के प्रति अविचल अडिग निष्ठा के कारण पत्रकारिता के क्षेत्र में मील का पत्थर स्थापित किया। यह पुस्तक उन तमाम लोगों के लिए प्रेरणा, ऊर्जा एवं उत्साह का कार्य करेगी जो संसाधनों का रोना रोते रहते हैं और

कृति - कैलाश नाथ : पत्रकारिता के प्रेरक व्यक्तित्व
संपादक - डॉ. ब्रजेश कुमार यदुवंशी
प्रकाशक - नालंदा प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रथम संस्करण - 2023
पृष्ठ - 173
मूल्य - 275/-

अपनी असफलता के लिए दूसरों को दोषी ठहराते हैं। वास्तव में यह पुस्तक नैराश्य के घने अंधेरे में आशा एवं विश्वास का प्रकाश बिखेरती है, उनकी राह में उम्मीद के दिए जलाती है। सफलता के लिए संसाधन मायने नहीं रखते बल्कि बल्कि प्रबल आत्मविश्वास, दृढ इच्छाशक्ति तथा परिवार, समाज एवं देश के लिए कुछ नया कर पाने का जुनून एवं समर्पण ही समय की शिला पर अपने हस्ताक्षर अंकित करता है। पुस्तक में कैलाश नाथ जी के परिचित एवं संपर्क में आए लोगों में से 53 ने अपनी भाव पुष्पांजलि संस्मरणों के माध्यम से अर्पित की है। इन 53 संस्मरणों को चार कोटि में रखा जा सकता है। पारिवारिकजन, मित्र–सहकर्मी, समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के परिचित व्यक्ति और चौथा तरुणमित्र से जुड़े संवाददाता, ब्यूरो चीफ एवं अन्य कर्मचारी गण। परिवार से दो पुत्र योगेंद्र विश्वकर्मा एवं आदर्श कुमार के साथ बहू शांती विश्वकर्मा, पौत्र उज्ज्वल, पौत्री उर्मी विश्वकर्मा ने भाव समिधा समर्पित की है। पुस्तक में अखबारों के संपादकों–पत्रकारों, वकीलों, प्रशासनिक अधिकारी एवं विद्यार्थियों, समाजसेवियों आदि के सम्मोहक संस्मरण समाहित है। जौनपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ.पीसी पातंजलि कहते हैं कि भीड़ के बीच एक परिपक्व व्यक्ति, सांवला रंग, चमकती सफेद दंतावलि, चश्मे के पीछे आश्वस्त व शांत आंखें, छरहरा बदन, धोती कुर्ता पहने अन्य पत्रकारों से अलग दिख रहे थे। न केवल पत्रकार के रूप में बल्कि मेरे सलाहकार के रूप में कैलाश नाथ जी का स्नेह और सहयोग मुझे प्राप्त होता रहा, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात रही। जौनपुर के अहियापुर में 31 जुलाई, 1937 को जन्मे कैलाश नाथ जी के सिर से पिता का वरदहस्त बचपन में ही छूट गया। परिवार की जिम्मेदारी ओढ़ ली तो पढ़ाई का नैरंतर्य टूटा। पर लगन थी तो व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में हाईस्कूल उत्तीर्ण कर स्थानीय समाचार पत्रों में काम आरंभ किया। कंपोजिटर, हॉकर का कार्य करते आजीविका के लिए बाटा के शोरूम में भी काम करना पड़ा। पर मन तो पत्रकारिता की दुनिया में रमा था। फलतः बाटा शोरूम छोड़ कुछ धन का जुगाड़ कर अपना प्रेस खोल लिया। इसी बीच वाराणसी से प्रकाशित 'गांडीव' के संवाददाता के रूप में भी काम करने लगे। पर आगे वह काम भी छोड़ दिया और 1978 में 10 पैसे कीमत का संध्या समाचार पत्र 'तरुणमित्र' आरम्भ किया। तरुणमित्र जल्दी ही जनसामान्य का वास्तविक मित्र बन सर्वप्रिय हो गया। एक दशक पश्चात 1988 में वेब ऑफसेट पर मुद्रण तथा 2011 में प्रातःकालीन प्रकाशन आरंभ हुआ। पांच राज्यों उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र एवं बिहार से बहुरंगी सात संस्करण छप रहे हैं। वह तरुणमित्र को पत्रकारिता जगत के जगमगाते सितारे के रूप में देख प्रफुल्लित हुए। 18 जुलाई, 1989 को उर्दू दैनिक 'जवांदोस्त' का प्रकाशन आरम्भ किया।कोरोनाकाल में 2 मई, 2021 को इस शब्द–साधक ने जीवन यात्रा पूर्ण की। पुस्तक में सभी सहभागी लेखकों ने कैलाश नाथ जी की प्रामाणिक तटस्थ पत्रकारिता, सत्यनिष्ठा, समाजसेवा, लोक–मंगल कार्यों तथा सादगीपूर्ण जीवन के नयनाभिराम चित्र उकेरे हैं तो नवोदित पत्रकारों को समाचार लेखन की बारीकियां एवं तौर–तरीके भी सिखाने की स्मृतियां भी अंकित की हैं। निश्चित रूप से अपनी तरह की यह अनूठी पुस्तक है जो पाठक को प्रेरित करती है, उसमें कुछ नया रचती है। पुस्तक का आवरण आकर्षक है, कागज सफेद मोटा और छपाई आंखों को सुखकर है। यत्र–तत्र वर्तनीगत अशुद्धियां खटकती हैं, पर इससे कथ्य बाधित नहीं होता। यह पुस्तक न केवल साहित्यिक क्षेत्र में संस्मरणों की मधुर रसधार बहाएगी बल्कि आम पाठक के हाथों में भी सुशोभित हो प्रेरणा के सुमन बन खिले–महकेगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई कर रहे हैं जमीनी स्तर पर नवीन अवैध कॉलोनियों एवं अतिक्रमणों पर पीले पंजें से प्रहार

जेडीए ने ईकोलोजिकल जोन में आठ बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी को किया ध्वस्त

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 11 दिसम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-10 ईकोलोजिकल जोन में निजी खातेदारी की करीब 08 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। ईकोलोजिकल जोन ग्राम मथुरादासपुरा, लाँगडियांवास में जेडीए की बिना अनुमति-स्वीकृति के व्यावसायिक प्रयोजनार्थ किये गये अवैध निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीरकण की कार्यवाही की गई। साथ ही ईकोलोजिकल जोन ग्राम पंचायत नांगल सुसावतान में गैर मुमकिन सरकारी आम रास्तें की भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-10 के क्षेत्राधिकार ईकोलोजिकल जोन में अवस्थित नाई की थड़ी, जिला जयपुर में ही

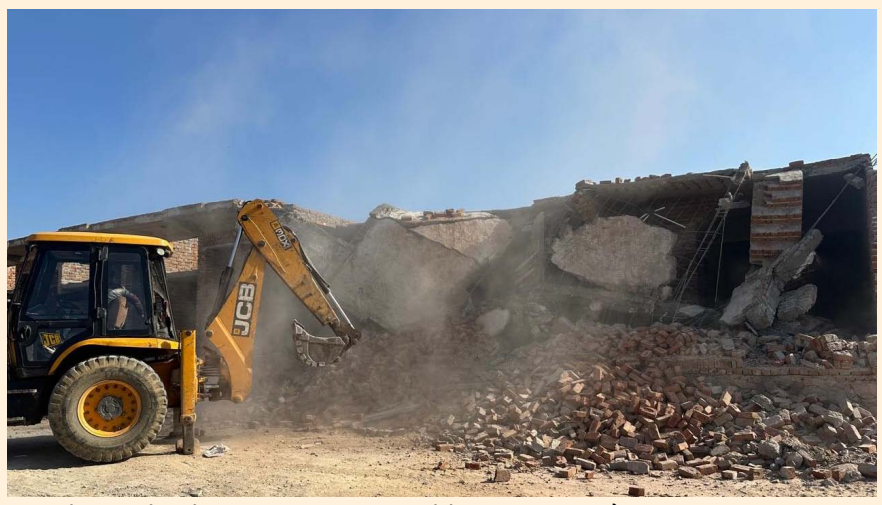

अन्य स्थानों से हटाए अतिक्रमण

करीब 08 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''वेलकम सिटी'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाये गये 03 नव निर्मित मकान मिट्टी-ग्रेवल, सडकें, व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।जेडीए द्वारा जोन-10 के क्षेत्राधिकार ईकोलोजिकल जोन में अवस्थित ग्राम मथुरादासपुरा (जयसिंहपुरा खोर) पंचायत लाँगड़ियावास, अशोक नगर जिला जयपुर में जेडीए की बिना अनुमति-स्वीकृति के व्यावसायिक प्रयोजनार्थ अवैध 07 मकानों बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-10 के क्षेत्राधिकार ईकोलोजिकल जोन में अवस्थित ग्राम पंचायत नांगल सुसावतान, चमनपुरा उर्फ डाब का नाला, तहसील आमेर जिला जयपुर के खसरा नं. 98/591, 98 जेडीए स्वामित्व के गैर मुमकिन सरकारी आम रास्तें की भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर सीमेन्ट के पिल्लर गाड़कर, तारबंदी कर अवैध कब्जा-अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर आज उपायुक्त जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर सरकारी आम रास्तें को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-10 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से आज तक कुल 79 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया तथा 08 गैर मुमकिन सरकारी आम रास्तों को अतिक्रमण मुक्त करवाया जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

मदरसा में नन्हे छात्र-छात्राओं को भामाशाह ने बांटे जूते

- विधार्थियों के अभिवाकों को अपार आईडी के लिए जागरूक कर शिविर लगाया

चमकता राजस्थान। जयपुर/झुंझुनूं (खलील कुरैशी)- मदरसा मुफीदुल इस्लाम में बुधवार को मदरसा के समस्त विधार्थियों को दानदाता मोहम्मद इमरान खान के सहयोग से वितरण किया गया।शिक्षा अनुदेशक अकीला बानों ने बताया कि दानदाता ने प्रत्येक छात्र को जूते उपलब्ध कराई गई। जिसका वितरण दानदाता के सहयोग से मदरसा में वितरित कर किया गया वितरण कार्यक्रम में मदरसा प्रबंध समिति के सचिव मकबूल हुसैन व इमरान व अकीला बानों ने बताया कि इस आवशयक सामग्री के वितरण से विधार्थियों को सर्दी से राहत मिलेगी। जूते पाकर विधार्थियों के चेहरे पर खुशी की लहर दौडी। शिक्षा अनुदेशक अकीला बानों ने इस अवसर दानदाता एंव उनके परिवार का धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही उन्होंने इस प्रकार के सामाजिक सरोकार के कार्यों के लिए लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में दानदाता का माला व साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर अकीला बानो,फारुक सौलंकी,मोहम्मद हारुन कुरैशी, वसीम कुरैशी,मकबूल हुसैन, रुख्सार बानों व समीरा बानो सहित मदरसा स्टाफ व विधार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन फारुक सौलंकी व वसीम कुरैशी ने किया।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में आयोजित हुई महत्वपूर्ण समीक्षा पीडब्ल्यूसी बैठक

- 66 करोड रूपये के कार्य किये स्वीकृत
- जयपुर का होगा चहुंमुखी एवं सर्वांगीण विकास

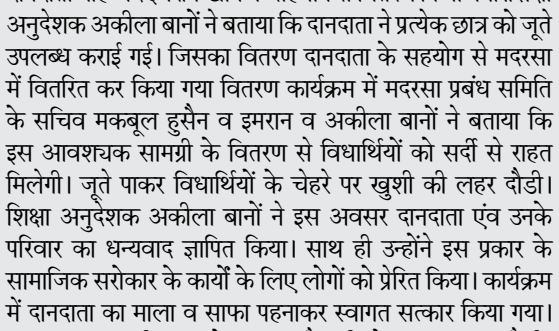

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 11 दिसम्बर। नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देषन एवं नेतृत्व में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जयपुर शहर के सर्वांगीण एवं आधारभूत विकास हेतु विभिन्न विकास कार्य करवाये जा रहे है।जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में बुधवार को जेडीए के मंथन सभागार में पीडब्ल्यूसी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में 66 करोड रूपये के कार्य स्वीकृत किये गये, जिससे जयपुर शहर के विकास को गति मिलेगी। बैठक में जोन-9 में सेंट्रल स्पाईन जेडीए स्कीम-ए ब्लॉक में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 5.16 करोड रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई।जोन-10 में खोरी रोपाड़ा जेडीए योजना हेरिटेज सिटी में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 15.42 करोड रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई।जोन-10 में बालाजी तिराहा से जगतपुरा आरओबी तक सेक्टर रोड के नवीनीकरण कार्य हेतु 4.80 करोड रुपए की संशोधित प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई।जोन-7 में झारखंड जंक्शन से सिरसी रोड पर खातीपुरा जंक्शन होते हुए 200 फीट सी-जोन वाईपास तक 160 फीट सेक्टर रोड का निर्माण एवं चौडाईकरण कार्य के लिए 19.19 करोड रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई।जयपुर शहर हेतु नवीन मास्टर प्लान 2047 से संबंधित कार्य आउटसोर्स के माध्यम से करवाने एवं अनुमानित लागत राशि 21.50 करोड रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई।

गुरूवार को साकार होगा 'रन फॉर विकसित':

राजस्थान-2024' (रवि-राज) का संकल्प, अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं का होगा सम्मान

चमकता राजस्थान

जयपुर खलील कुरैशी)11 दिसंबर, 2024। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 12 दिसंबर को जयपुर में 'रन फॉर विकसितराजस्थान-2024' (रवि-राज) का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रातः 8:35 पर जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति से रन फॉर राजस्थान को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियों के संबंध में बुधवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम में युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ.नीरज कुमार पवन की अध्यक्षता में बैठक ली गई एवं सम्बंधित अधिकारियों को कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु

लगभग 10 हजार से अधिक प्रतिभागी लेंगे भाग

आवशयक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस, भारत/हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड, पुलिस, आरएसी, सेना, होमगार्ड, विभिन्न कर्मचारी संघ, विशेष योग्यजन, स्वच्छता सेवक,विभागीयकर्मचारी,एनजीओ और आमजन सहित लगभग 10 हजार से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर दस से अधिक ब्लॉक बनाए गए हैं, जहां सभी प्रतिभागियों को अलग-अलग ब्लॉक में विभाजित कर मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही मैराथन में राजस्थान की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देशय से विभिन्न मंचों पर बैंडवादन एवं कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक में युवा मामले एवं खेल विभाग, डीओआईटी, पर्यटन, नगर निगम ग्रेटर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कौशल नियोजन, स्काउट गाइड, हायर एजुकेशन आदि सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

सर्विस इंप्रूवमेंट ग्रुप (एसआईजी) की टीम ने फतेहपुर सीकरी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) दिनांक 11.12.2024 को फतेहपुर सीकरी रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में व सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सर्विस इंप्रूवमेंट ग्रुप टीम के द्वारा स्टेशन के एक सिरे से दूसरे सिरे तक निरीक्षण कियो जिसके अंतर्गत स्टेशन ,प्रतीक्षालय कक्ष ,प्लेटफॉर्म, कैटरिंग स्टाल,बुकिंग ऑफिस, सर्कुलेटिंग एरिया,रिजर्वेशन ऑफिस व वाटर बूथ आदि का गहनता पूर्वक निरीक्षण किया व उसके बारे मे दिशा-निर्देश दिए एवं जिस बिन्दुओं पर इंप्रूवमेंट की जरूरत थी उसको संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। यात्री सुविधाओं के रखरखाव और उन्हें बेहतर बनाने हेतु मंडल के अधिकारियों द्वारा स्टेशन पर कार्यरत निरीक्षक एवं पर्यवेक्षकों को काउंसिल किया गया व स्टेशन की सा×फ झसफाई उच्च स्तरीय बनाये रखने हेतु विशेष जोर दिया गया स्टेशन में जो भी कमियां और जरूरत है उसे दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए जाते है । जिससे यात्रियों की सुविधायों में बढ़ोत्तरी की जा सके तथा उन्हें कम से कम असुविधायों का सामना करना पड़े इस निरीक्षण के दौरान सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग वीरेंद्र सिंह के साथ सहायक सुरक्षा आयुक्त टी के अग्निहोत्री, सहायक मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजिनियर मुकेश मीना व अन्य अधिकारी , सुपरवाइजर व कर्मचारी शामिल थे।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की बड़ी कार्रवाई

25 हजार रुपये ईनामी गिरफ्तार : मुहाना थाना इलाके से दो युवकों का किया था अपहरण, एक की पीट-पीट कर कर दी थी हत्या

शाम को सब्जी लेने घर से निकले थे युवक, अगवा कर युवक की मां से मांगी थी एक लाख की फिरौती

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 11 दिसम्बर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने मुहाना थाना इलाके से 5 महीने पहले दो युवकों का अपहरण कर एक लाख की फिरौती मांगने तथा पीट पीटकर एक युवक की हत्या करने के मामले में घटना के वक्त से फरार चल रहे आरोपी शंकर मेघवाल पुत्र मूलचंद (27) निवासी कृष्णा नगर मानसरोवर जयपुर को केकड़ी जिले के सरवाड़ थाना इलाके से डिटेन कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर डीसीपी दिगंत आनंद द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि गैंगस्टर्स, वांछित अपराधियों, अपराधिक गिरोह एवं तस्करों की जानकारी एवं धर पकड़ के

लिए उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एजीटीएफ की विभिन्न टीमों को प्रदेश के अलग-अलग शहरों में भेज कर गुप्त रूप से आसूचनाऐं संकलन की जा रही है। इसी क्रम में उप निरीक्षक सुभाष सिंह के नेतृत्व एवं एएसआई शंकर दयाल, हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार, नरेंद्र सिंह कमल सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार एवं चालक सुरेश कुमार को रवाना किया गया था।आसूचना संकलन के दौरान टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह को सूचना मिली कि जुलाई महीने में मुहाना जयपुर में हुए अपहरण व हत्या के मामले में 25000 इनामी शंकर मेघवाल सरवाड़ थाना इलाके के किसी गांव में फरारी काट रहा है। इस पर टीम ने सूचना को विकसित किया तो आरोपी के कशीर गांव में छुपे होने की सूचना मिली। टीम ने दबिश देकर आरोपी को घेर कर पकड़ लिया। जिसे अग्रिम कार्रवाई के लिए मुहाना थाना पुलिस को सौंप दिया गया है।

यह है मामला

करौली जिले में सपोटरा निवासी नेमीचंद महावर, सवाई माधोपुर के सूरवाल में अंडून्डी गांव निवासी मनीष कुमार बैरवा और उसका साथी देवराज बैरवा मुहाना थाना इलाके में रामपुरा रोड पर किराए का कमरा लेकर रहते थे। 8 जुलाई की सुबह देवराज काम पर चला गया। शाम को मनीष और नेमीचंद सब्जी लेने घर से बाहर निकले थे, जो वापस नहीं लौटे। अगले दिन देवराज को मनीष की मां ने फोन कर बताया कि बदमाश मनीष को छोड़ने के लिए 1 लाख रुपये की फिरौती मांग रहे हैं। देवराज की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गईअगवा किए गए दोनों युवकों से बदमाशों ने बेरहमी से मारपीट की, जिसमें एक युवक नेमीचंद की मौत हो गई। बदमाश नेमीचंद की लाश ठिकाने लगाने की तैयारी कर रहे थे, इसी दौरान पुलिस को सूचना मिल गई। करीब 125 किलोमीटर पीछा कर अजीतगढ़ इलाके से पुलिस ने आरोपी तुषार उर्फ लिटिल मीणा, आशीष बेरवा तथा शंभू दयाल वर्मा को गिरफ्तार कर अपहृत मनीष कुमार बैरवा को उनके कब्जे से छुड़ा लिया था।एडीजी एमएन ने बताया कि अपहरण एवं हत्या के इस मामले में फरार चल रहे आरोपी मनीष जाट (20) व अंकित जाट (20) निवासी गांव दयाल का नांगल थाना पाटन जिला नीमकाथाना एवं शंकर मेघवाल निवासी कृष्णा नगर जयपुर की तलाश के लिए डीसीपी दिगंत आनंद द्वारा 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी शंकर मेघवाल के विरुद्ध पूर्व में भी मारपीट, जमीन विवाद, अपहरण आदि के विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं। जो पुलिस से बचने घटना के बाद फरारी काटने के लिए गुड़गांव, नोएडा तथा बिहार चला गया था अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन एवं पुलिस उप निरीक्षक हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह की विशेष भूमिका तथा एएसआई शंकर दयाल, हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार व कमल सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार व कांस्टेबल चालक सुरेश कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा देंगे युवाओं को बड़ी सौगातें

सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जोधपुर में आयोजित होगा राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन

चमकता राजस्थान

जयपुर !(खलील कुरैशी) 11 दिसम्बर। राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार (12 दिसम्बर) को जोधपुर के मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन में शिरकत करते हुए युवाओं को कई बड़ी सौगातें देंगे।इस उत्सव में मुख्यमंत्री शर्मा प्रदेशभर में 15 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए 85 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया की शुरूआत करेंगे। युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करने में ये नियुक्तियां एवं विज्ञप्तियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और 'सुराज संकल्प' की दिशा में अहम कदम साबित होंगी। उल्लेखनीय है कि निरंतर रोजगार उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के

क्रम में राज्य सरकार द्वारा पूर्व में आयोजित दो मुख्यमंत्री रोजगार उत्सवों में हजारों युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। शर्मा 4 हजार 10 स्कूलों में 8 हजार 20 स्मार्ट क्लास रूम, ई-पाठशाला एवं विद्या समीक्षा केन्द्र, लर्न, अर्न एण्ड प्रोग्रेस प्रोग्राम, राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना, स्पोर्टस लाइफ इंशयोरेंस स्कीम एवं बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम का शुभारम्भ करेंगे। इससे प्रदेश में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जुड़ने के सुअवसर मिल सकेंगे। उत्सव के दौरान शर्मा 155 स्टार्टअप को फंडिंग, 1 लाख 25 हजार छात्राओं को साइकिल, 75 हजार 325 विद्यार्थियों को

15 हजार से अधिक युवाओं को मिलेंगे नियुक्ति पत्र, 85 हजार से अधिक पदों पर निकलेगी भर्ती

व्यवसायिक टूल किट, 23 हजार 100 विद्यार्थियों को टैबलेट और 21 हजार बालिकाओं को स्कूटी भी वितरित करेंगे।उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार अपनी पहली वर्षगांठ के अवसर पर प्रदेश में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण के साथ ही युवाओं, किसानों, महिलाओं व श्रमिकों को विशेष सौगातें देने जा रही है। इन सौगातों से इन वर्गों का सशक्तीकरण होने के साथ-साथ विकसित राजस्थान-2047 की मजबूत नींव भी तैयार होगी।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति की अगवानी की

चमकता राजस्थान/जयपुर! (खलील कुरैशी) 11 दिसम्बर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बुधवार को जयपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर भावभरी अगवानी की।राज्यपाल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उपराष्ट्रपति का अभिनन्दन किया।

मुख्यमंत्री के क़ाफ़िले में रांग साइड से तेजी से आती हुई गाड़ी के कारण घटित दुर्घटना

- दुर्घटना की उच्च स्तरीय जाँच होगी, डीसीपी ईस्ट को सौंपी जाँच की ज़िम्मेदारी
- महानिदेशक पुलिस राजस्थान यू.आर.साहू ने दुर्घटना में पुलिस एएसआई सुरेन्द्र सिंह की मृत्यु पर व्यक्त किया गहरा दुःख

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 11 दिसंबर। पुलिस मुख्यालय द्वारा राजधानी जयपुर में बुधवार दोपहर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के क़ाफ़िले में काफिले के सामने रांग साईड से तेजी से आती हुई गाड़ी के कारण घटित दुर्घटना की उच्च स्तरीय जाँच का निर्णय लिया गया है।पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि इस घटना की जाँच डीसीपी ईस्ट तेजस्विनी गौतम को सौंपी गई है।इस घटना में मुख्यमंत्री की गाड़ी भी दुर्घटनाग्रस्त होते हुए बाल बाल बची थी।डीजीपी साहू ने इस दुर्घटना में पुलिस एएसआई सुरेन्द्र सिंह की मृत्यु पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। वहीं दुर्घटना में घायल पुलिस कर्मियों एवं अन्य घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।

विधायक डॉ विकास चौधरी की मांग पर चिड़िया बावड़ी पर बनेगा ओवर ब्रिज

- विधायक चौधरी ने पत्र लिखकर की थी मांग, केंद्रीय मंत्री गडकरी का जताया आभार..

चमकता राजस्थान/ रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर / किशनगढ़। मदनगंज किशनगढ़ः- किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी की मांग पर किशनगढ़ के केंद्रीय बस स्टैंड के सामने चिड़िया बावड़ी पर 2.30 किलोमीटर लंबाई का फ्लाईओवर निर्माण किया जाएगा ।जिसकी लागत 13.24 करोड रुपए रहेगी । मालूम हो कि कि वैष्णो देवी माता मंदिर के सामने एक तरफ का फ्लाई और बना हुआ है दूसरे तरफ का फ्लाईओवर नहीं होने के कारण क्षेत्र दुर्घटना जॉन बना हुआ था । आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं, जिसको देखते हुए विधायक चौधरी ने केंद्र सरकार से चिन्हित स्थान पर फ्लाईओवर एवं सर्विस रोड बनाने की मांग की थी । केंद्र सरकार ने तकनीकी सर्वे कराकर इस कार्य हेतु निविदा जारी कर दी है, जिसके लिए विधायक चौधरी ने केंद्रीय मंत्री का किशनगढ़ की जनता की ओर से आभार जताया है ।

नवीन आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत कराने पर पूर्व विधायक निर्मल का किया स्वागत

फुलेरा (दामोदर कुमावत)

फुलेरा तहसील के सांभर पंचायत समिति की आदर्श ग्राम पंचायत काजीपुरा में पूर्व विधायक निर्मल कुमावत की अनुशंसा पर एक नवीन आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किया गया जो कि ग्रामीणों की काफी समय से जरूरत थी और छोटे बच्चों को लगभग 1 किलोमीटर दूर जाने में काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ता था। सरपंच नवरतन कुमावत और पूर्व विधायक निर्मल कुमावत के अथक प्रयास से नवीन आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत करने पर ग्राम वासियों ने खुशी जाहिर करते हुए सरपंच नवरतन

कुमावत के नेतृत्व में ग्राम वासियों ने फुलेरा पूर्व विधायक निर्मल कुमावत के निवास पहुंचकर उनका माल्यार्पण कर और साफा बंधवाकर सम्मान किया,इस मौके पर सरपंच नवरतन कुमावत ने बताया कि नवीन आंगन बाड़ी केंद्र स्वीकृत होने से ग्राम वासियों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा क्योंकि छोटे-छोटे बच्चों को प्राथमिक स्तर पर शिक्षा ग्रहण करने के लिए कम से कम 1 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था जिससे छोटे बच्चों को शिक्षा प्राप्त होने में समस्याओं का सामना करना पड़ता था । उन्होंने बताया कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो जितना पिएगा वह उतना ही दहाड़ेगा, इस कहावत को चरितार्थ करने के उद्देश्य से प्राथमिक स्तर पर बच्चों की शिक्षा के गुणवत्ता और मानसिक विकास के साथ-साथ शारीरिक विकास के लिए आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों की भविष्य मेंअहम भूमिका रखता है।

संविधान के अपमान से महाराष्ट्र में घमासान, परभणी में पथराव और आगजनी से बिगड़े हालात

मुंबई/एजेंसी। महाराष्ट्र के परभणी में संविधान के अपमान को लेकर अचानक हिंसा भड×क गई है। इसके बाद कई इलाकों में आगजनी की गई है। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि संविधान का अपमान करने वालों को फांसी की सजा होनी चाहिए। पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने में लगी है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले भी दागे गए हैं। बेकाबू लोगों को कंट्रोल करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। परभणी शहर में कलेक्टर कार्यालय के सामने अंबेडकरी अनुयायी मूर्ति क्षेत्र में एकत्र हुए और सड×क रोको और रेल रोको भी प्रदर्शन किया। एहतियान इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है और इसके साथ ही बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी गई है। इस बीच वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने भी ममाले में अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि परभणी में जातिवादी मराठा उपद्रवियों द्वारा बाबासाहेब की प्रतिमा पर भारतीय संविधान की धज्जियां उड़ाना बहुत ही शर्मनाक है। उन्होंने कहा है कि यह पहली बार नहीं है जब बाबासाहेब की प्रतिमा या दलित पहचान के प्रतीक पर इस तरह की तोड×फोड़ की गई हो।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ 'रन फॉर विकसित राजस्थान' में शिरकत कर युवाओं एवं खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे।

फुलेरा (दामोदर कुमावत)। राजस्थान सरकार में युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ राज्य की भाजपा सरकार केकार्यकाल का सफलतम एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित रन फॉर विकसित राजस्थान कार्यक्रम में आज सुबह 7:30 बजे, अमर जवान ज्योति, जयपुर में शिरकत कर युवाओं व खिलाड़ियों को सम्मानित कर उत्साह वर्धन करेंगे।

खंडेल निर्माण संस्था की मासिक बैठक आयोजित

- प्रतिभावान 21बालिकाओं को बांटे शैक्षणिक टैबलेट

फुलेरा (दामोदर कुमावत)। निर्माण संस्था खंडेल की मासिक बैठक आयोजित हुई, जिसमें कार्य क्षेत्र से कुल 640 ग्रामीण, पुरुष, युवक युवतियां सम्मिलित हुई । आज की बैठक में विगत माह में किए गए कार्य की जानकारी दी जिसमें दीपावली पर्व पर 587 परिवारों को खाद्य सामग्री किट से लाभान्वित किया गया था । आज की बैठक में इंग्लैंड से पधारे खण्डेल लाइट इंग्लैंड चैरिटी के अध्यक्ष डॉ पीटर गॉफ एवं उनकी पत्नी श्रीमती ब्रिजिट गॉफ मुख्य अतिथि रहे। मासिक बैठक में 21 प्रतिभावान बालिका संसद की बालिकाओं को शैक्षणिक टेबलेट वितरित किया । चार प्रसव बाद माताओं को पोषाहार दिया गया एवं दो नवजात बालिका की माता को झूला,ड्रेस व खिलौने वितरित किए । मासिक बैठक में इंग्लैंड से पधारे डॉक्टर पीटर गॉफ ने खंडेल लाइट, इंग्लैंड चैरिटी के माध्यम से निर्माण संस्था खंडेल की ओर से किये जा रहे विकास कार्यों की सराहना की तथा इन कार्यों को बहुत उपयोगी बताया साथ ही बालिका संसद की बालिकाओं के लिए लाइब्रेरी से जुड़ना, कंप्यूटर सीखना, सिलाई सीखना इत्यादि कार्यों के प्रति अपनी और अपने बोर्ड की रुचि दिखाई तथा उन्हें आगे भविष्य में और जोड़ते हुए और मदद करते रहने की बात कही । श्रीमती ब्रिजिट गॉफ ने भी निर्माण संस्था खंडेल की ओर से किये जा रहे विकास कार्यों की सराहना की तथा बालिका संसद की बालिकाओं के शिक्षा से जुड़ाव और स्वरोजगार प्रशिक्षण के लिए निर्माण संस्था की ओर से दी जा रही सहायता पर हर्ष जताया । आज की मीटिंग में डॉक्टर पीटर गॉफ अध्यक्ष खण्डेल लाइट इंग्लैंड ने आगामी आने वाले 2025 में अक्टूबर माह में निर्माण संस्था खंडेल की 40वीं वर्षगांठ पर इंग्लैंड से अन्य अतिथियों के साथ सम्मिलित होने का कार्यक्रम बताया और कहा कि खंडेल लाइट बोर्ड से अन्य 6 सदस्य भी अगले वर्ष संस्था प्रांगण में आएंगे। आज की बैठक में निर्माण संस्था खंडेल के अध्यक्ष डॉक्टर ओ पी दायमा उपाध्यक्ष मांगीलाल कुमावत, कार्यकारिणी सदस्य हरजी राम , बागेश्वर वर्मा और विशिष्ट अतिथि जनेश्वर वर्मा ग्राम सहेलियां मंजू देवी, मीरा देवी , माया देवी, सुनीता देवी, सुरज्ञान कंवर, संजू कंवर और संस्था स्टाफ से अर्जुन सिंह शेखावत, निशा कंवर, चंद्रकांता वर्मा और मनोज कुमार इत्यादि सम्मिलित रहे।

बार-बार चुनाव से रुक जाता है विकास: शिवराज सिंह चौहान

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर बोले केंद्रीय मंत्री

नईदिल्ली/एजेंसी।

देश के किसी न किसी राज्य में हर साल विधानसभा चुनाव और उपचुनाव होते रहते हैं, ऐसे में केंद्र सरकार देश में एक राष्ट्र, एक चुनाव का नियम लाने की कोशिश कर रही है. इसके लिए संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार संसद में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बिल भी पेश कर सकती है. इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बार-बार चुनाव कराने से देश का विकास और तरक्की रुक जाती है. हरियाणा में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, अब हैं तो कृषि मंत्री लेकिन चुनाव आ जाएं तो तीन महीने लगातार चुनाव के प्रचार में ही पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में लगे रहते हैं, उसमें समय नष्ट होता है प्रधानमंत्री का, मुख्यमंत्रियों का, मंत्रियों का सांसदों का, विधायकों का, अधिकारियों का, कर्मचारियों का सारे विकास के काम ठप.. कराओ चुनाव. इस बीच कृषि मंत्री ने मुस्कुराते हुए कहा कि ...और फिर नई-नई घोषणा करनी पड़ती हैं कि मैं ये दे दूंगा. हम ये दे देंगे. जन कल्याणकारी काम पीछे रह जाते हैं. यही नहीं इसमें भारी खर्चा होता है. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि चुनाव आयोग भी खर्चा करता है तो जनता की ही पैसा है वो, और फिर राजनैतिक दल भी खर्चा करते हैं. कितना समय नष्ट होता है अब दूसरे राज्य में चुनाव होंगे नायब जी (हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी) तो हरियाणा के अधिकारी पर्यवेक्षक बन के चले जाएंगे, यहां का काम आपका दो-तीन महीने ठप हो जाएगा. वो वहां जाकर चुनाव करवाएंगे. उन्होंने कहा कि तो इसमें केवल विनाश ही विनाश है. समय का अपव्यय, धन का अपव्यय, हमारे विकास को अवरोध करता है हमेशा होने वाला ये चुनाव. इसलिए संविधान में संशोधन करके, पांच साल में एक बार सभी विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ होने चाहिए.

कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय कृषि मंत्रीशिवराज सिंह चौहान से चर्चा कर रखी विभिन्न मांगे

चमकता राजस्थान रघुनंदन पारीक श्रीनगर

अजमेर/किशनगढ़। जयपुर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में सम्मिलित होने आए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से प्रदेश सरकार में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने चर्चा की और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की मौजूदगी में क्षेत्र से संबंधित मांगों

को प्रमुखता से रखा। सुरेश सिंह रावत ने नितिन गडकरी से अजमेर और पुष्कर के मध्य घाटी को फोरलेन करने की मांग रखी, उन्होंने केंद्रीय मंत्री को पूरी जानकारी देते हुए बताया कि अजमेर और पुष्कर देश के प्रमुख पर्यटन स्थल है और यहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। जिस पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने गंभीरता से संज्ञान लिया और शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कार्रवाई करने हेतु आश्वस्त किया।

साथ ही सुरेश सिंह रावत केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से अजमेर में कृषि विश्वविद्यालय खोलने की मांग रखी, रावत ने कहा कि अजमेर संभाग का केंद्र होने के साथ प्रदेश का प्रमुख शहर है और कृषि विश्वविद्यालय खुलने से यहां के युवाओं को बेहतर भविष्य के लिए अवसर मिल पाएंगे, जिस पर उन्होंने भी इस दिशा में सकारात्मक योजना को लेकर आश्वस्त किया।

देशभर के स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों में क्या बदलाव किया जाए, इसके निर्धारण का अधिकार अब विद्यार्थियों को भी होगा. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपनी कोर्सेज कमेटियों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है.

छात्र भी तय करेंगे क्या हो उनका कोर्स

देशभर के स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों में क्या बदलाव किया जाए, इसके निर्धारण का अधिकार अब विद्यार्थियों को भी होगा. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपनी कोर्सेज कमेटियों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है. 12वीं की परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों में से कुछ चुनिंदा छात्रों को कोर्स कमेटियों में शामिल किया जाएगा. बता दें कि बोर्ड की अलग-अलग कोर्सेज की कमेटियां हैं, जिनमें वोकेशनल कोर्स कमेटियां शामिल हैं. इन कोर्स कमेटियों में परीक्षा परिणाम व बोर्ड से संबद्ध स्कूलों की सिफारिश के बाद विद्यार्थी कोर्स कमेटी का हिस्सा बन सकेंगे. बोर्ड की प्रत्येक कोर्स कमेटी में एक विद्यार्थी का चयन होगा, जिसमें विद्यार्थी कोर्स में बदलाव को लेकर अपने सुझाव दे सकेंगे.

बोर्ड के चेयरमैन विनीत जोशी का कहना है कि हम पाठ्यक्रम अधिक समावेशी और अनुप्रयोग आधारित बनाना चाहते हैं, इसीलिए कमेटी द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम में छात्रों का हस्तक्षेप महत्वपूर्ण होगा, हम उनकी राय को भी सुनेंगें. विद्यार्थियों की राय कोर्स को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेगी. बता दें कि सीबीएसई के पास व्यावसायिक विषयों सहित इसके सभी पाठ्यक्रमों के लिए कोर्स कमेटियां हैं. प्रत्येक तीन साल के बाद हर कमेटी का पुनर्गठन किया जाता है. यह कमेटी विषयों से संबंधित विचारों पर वाद-विवाद और चर्चा करती है और विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इनकी समीक्षा करती है.

इतिहास में पहली बार, सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों से विद्यार्थियों को बैठकों में हिस्सा लेने और अपने विचार व्यक्त करने का मौका मिलेगा. वे विद्यार्थी जो मार्च 2014 में कक्षा 12 की परीक्षा पास कर चुके हैं, उन्हें उनके प्रदर्शन तथा स्कूलों के साथ परामर्श के आधार पर सीबीएसई द्वारा नामांकित किया जा रहा है. बोर्ड को विास है कि छात्र उम्मीदवार इसके पाठ्यक्रमों के विकास में सक्रिय योगदान देंगे.

सीबीएसई का यह भी मानना है कि पाठ्यक्रम के निर्धारण में विद्यार्थियों का सहयोग बहुत लाभकारी साबित होगा, क्योंकि ये छात्र विषय की भावी संभावनाओं के साथ-साथ इसकी सीमाओं को भी बेहतर समझते हैं. कोर्स कमेटी में विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) के विशेषज्ञ, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षक एवं विषय विशेषज्ञ, निजी एवं सार्वजनिक स्कूल और मौजूदा शिक्षक शामिल हैं.

क्रिएटिव हैं तो आजमाएं फैशन डिजाइनिंग

यहां हमेशा नया करने का मौका भी है और इसके माध्यम से खुद को स्थापित करने का अवसर भी. फैशन डिजाइनिंग में रुचि रखने वालों को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के कोर्स नई राह दिखाते हैं. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) डिजाइन शिक्षा, व्यावहारिक शोध, प्रशिक्षण, डिजाइन परामर्शी सेवाएं के अलावा कई क्षेत्रों में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है.

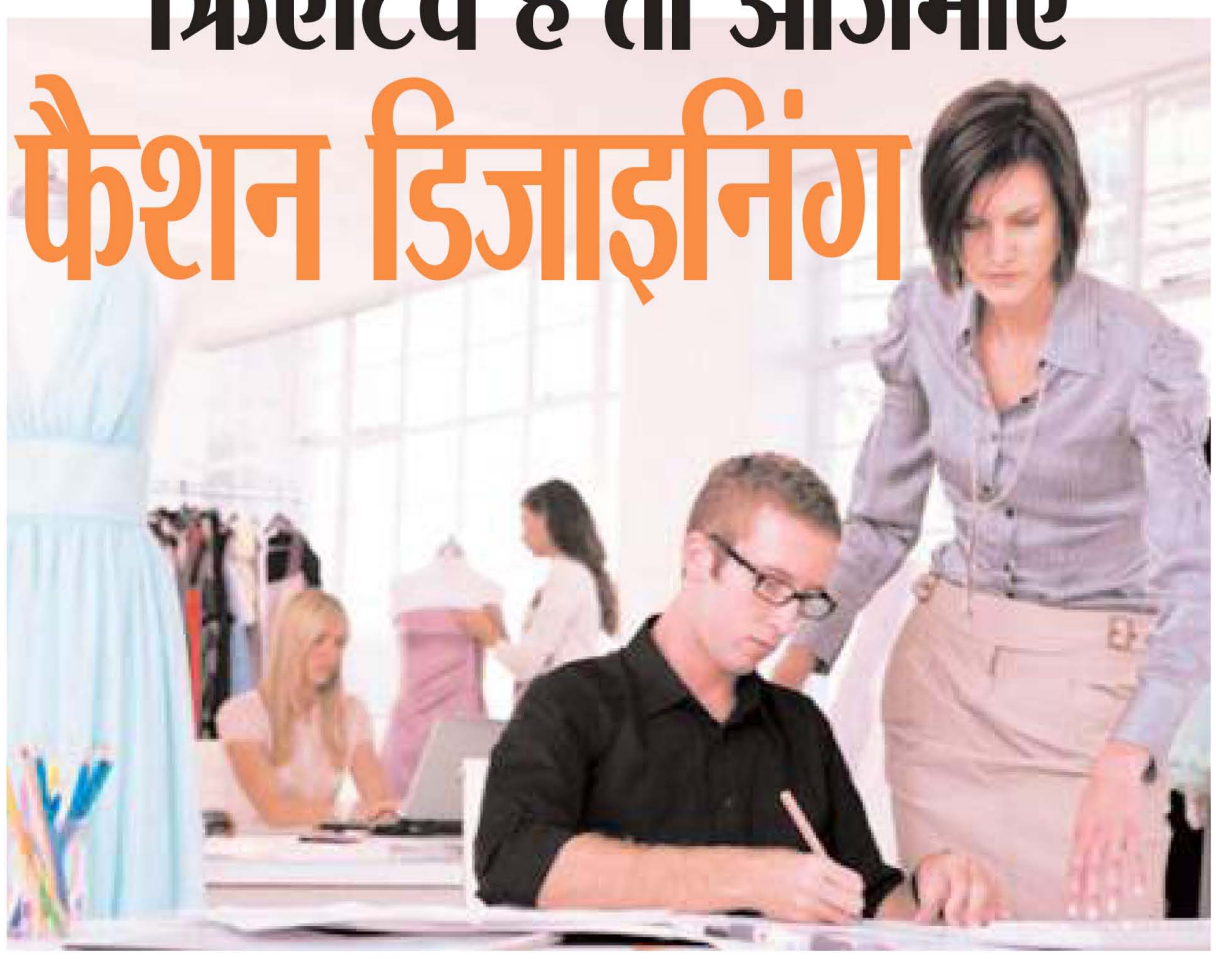

आये दिन बाजार में फैशन के नये डिजाइन, नए तरीके का कलर कंबिनेशन देखने को मिलता है. इस कारण फैशन डिजाइन का क्रेज दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है. हमेशा कुछ न कुछ नया करने की ख्वाहिश रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह करियर का बेहतर आप्शन है. यहां हमेशा नया करने का मौका भी है और इसके माध्यम से खुद को स्थापित करने का अवसर भी. फैशन डिजाइनिंग में रुचि रखने वालों को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के कोर्स नई राह दिखाते हैं. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) डिजाइन शिक्षा, व्यावहारिक शोध, प्रशिक्षण, डिजाइन परामर्शी सेवाएं के अलावा कई क्षेत्रों में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है.

पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा

वर्ष 1961 में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन इस स्वायत्त संस्थान की स्थापना की गई. एनआईडी में ग्रेजुएशन डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन (जीडीपीडी) और पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन (पीजीडीपीडी) पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष 2014-15 के लिए आवेदन मांगे हैं. ग्रेजुएट कोर्स के लिए बारहवीं पास और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के लिए बैचलर की डिग्री जरूरी है. अनुभवी अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाती है. अभ्यर्थी के पास विजुअॅल परसेप्शन एबिलिटी, ड्राइंग स्किल, लॉजिकल रीजनिंग, क्रिएटीविटी और कम्युनिकेशन स्किल्स का होना जरूरी है. चयन एनआईडी द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए इच्छुक छात्रों को संस्थान द्वारा आयो जित डिजाइन एप्टीट्यूड टेस्ट (डीएटी) की परीक्षा पास करनी होगी. यह परीक्षा दो चरणों में होगी. पहले चरण में लिखित परीक्षा है. इसमें 100 अंक के प्रश्न पत्र होंगे.

परीक्षा

लिखित परीक्षा में एनिमेशन, एबस्ट्रैक्ट सिम्बोलिज्म, कम्पोजिशन, मेमोरी ड्रॉइंग, थीमेटिक कलर अरेंजमेंट, विजुअल डिजाइन के अलावा विजुअल परसेप्शन एबिलिटी, ड्राइंग स्किल, लॉजिकल रीजनिंग, क्रिएटिव एंड कम्युनिकेशन स्किल, फंडामेंटल डिजाइन के अलावा डिजाइन से संबंधित प्रॉब्लम सॉ ल्विंग कैपेसिटी आदि से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं. इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य उम्मीदवारों की योग्यता, नवीनता और धारणाओं का मूल्यांकन करना है. लिखित परीक्षा के आधार पर परीक्षार्थियों को शॉर्ट लिस्टेड किया जाएगा. इसके आधार पर योग्य अभ्यर्थी को स्टूडियो टेस्ट और साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा. स्टूडियो टेस्ट के माध्यम से अभ्यर्थी की क्रिएटिविटी और फैशन के प्रति लगाव, डिजाइनिंग के प्रति सोच, नए आइडिया, कल्पनाशक्ति और कुछ अलग हटकर सोचने की क्षमता को परखा जाता है. परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए एनआईडी कैम्पस से संपर्क कर सकते हैं या फिर वेबसाइट पर लॉग ऑन कर सकते हैं. तैयारी इसकी तैयारी अन्य परीक्षाओं से काफी अलग है. इसमें विद्यार्थियों को रट्टा लगाने से सफलता नहीं मिल सकती है.

डिजाइनिंग के प्रति रुझान

इसमें कामयाब होने के लिए मौलिकता की सख्त दरकार होती है. अभ्यर्थियों का डिजाइनिंग के प्रति रुझान, उसके प्रति उनकी समझ, विचारों व समस्या को सुलझाने की क्षमता को परखी जाती है. ऐसे में बेहतर करने के लिए जरूरी है कि आप जो भी बनाएं, उसे इलेस्ट्रेशन एवं शब्दों के माध्यम से समझाने की भी क्षमता रखें. डीएटी और स्टूडियो टेस्ट के जरिये अभ्यर्थी की ऑब्जर्वेशन पावर, डिजाइन करने की काबिलियत और कुछ नया तैयार करने की क्षमताओं को परखा जाता है. ऐसे में आप जो भी डिजाइन और चित्र बनाएं, उसके रंगों के कंबिनेशन पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है. स्टूडियो टेस्ट में अभ्यर्थी को एक सवाल और उससे संबंधित कुछ सामान उपलब्ध कराया जाता है, जिसके जरिये अभ्यर्थी को उस सवाल के आधार पर सामान तैयार करना होता है. टेस्ट के तुरंत बाद एक्सपर्ट पैनल उसे देखता है और मार्किंग करता है.

जेनेटिक विशेषज्ञ की बढ़ रही है मांग

जिस तरह क्लोन बनाने को लेकर काम हो रहा है, नई दवाइयां तैयार की जा रही हैं, ऐसे में जेनेटिक से जुड़े विशेषज्ञों की मांग बढ़ती जा रही है इससे संबंधित बीटेक/बीएससी डिग्री अभी देश के किसी भी संस्थान में नहीं शुरू है लेकिन पांच वर्षीय डयूएल डिग्री एमटेक करायी जा रही है. जेनेटिक इंजीनियरिंग से लैस कई उत्पाद आज बाजार में उपलब्ध हैं.

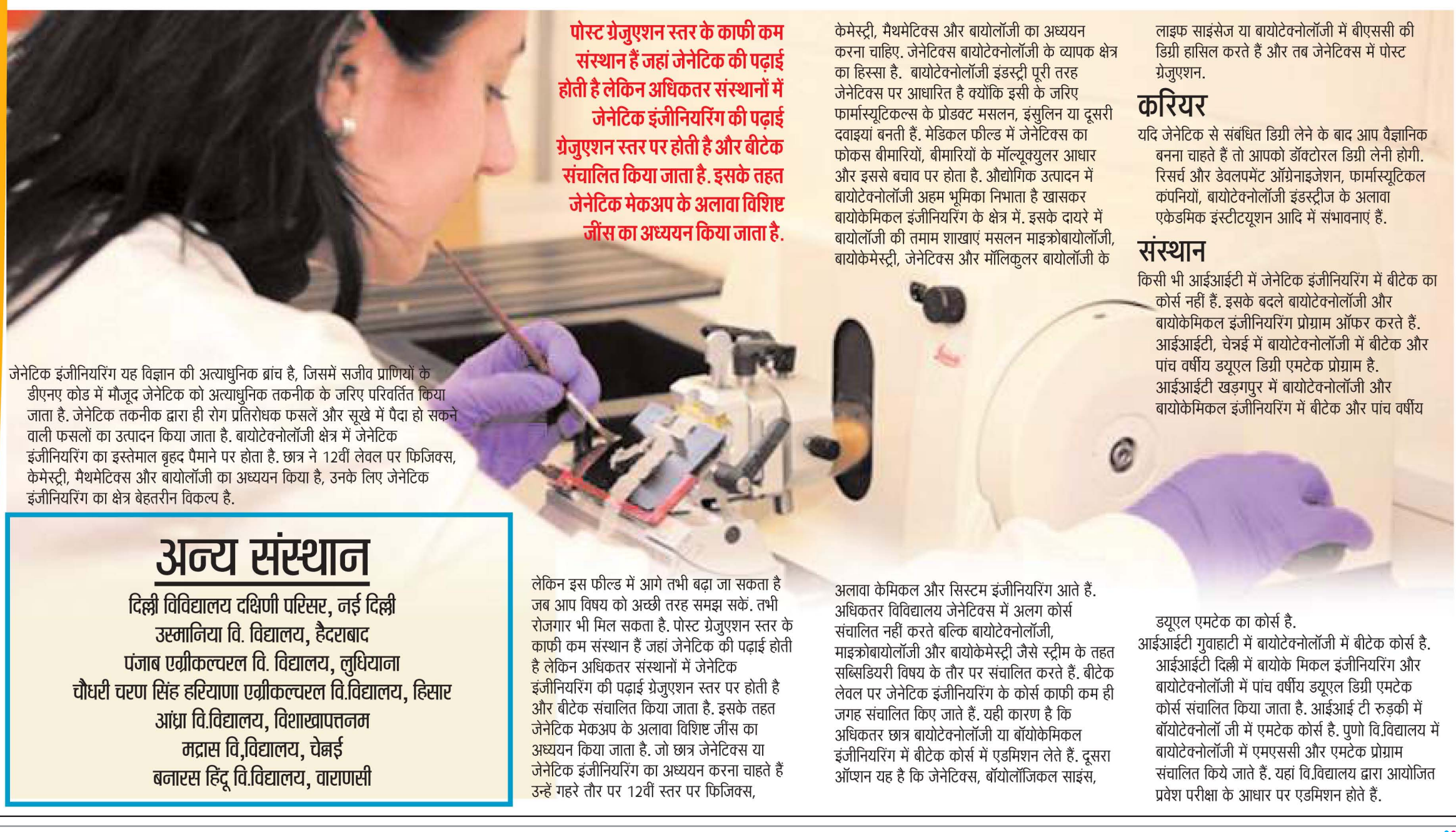

पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर के काफी कम संस्थान हैं जहां जेनेटिक की पढ़ाई होती है लेकिन अधिकतर संस्थानों में जेनेटिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई ग्रेजुएशन स्तर पर होती है और बीटेक संचालित किया जाता है. इसके तहत जेनेटिक मेकअप के अलावा विशिष्ट जींस का अध्ययन किया जाता है.

जेनेटिक इंजीनियरिंग यह विज्ञान की अत्याधुनिक ब्रांच है, जिसमें सजीव प्राणियों के डीएनए कोड में मौजूद जेनेटिक को अत्याधुनिक तकनीक के जरिए परिवर्तित किया जाता है. जेनेटिक तकनीक द्वारा ही रोग प्रतिरोधक फसलें और सूखे में पैदा हो सकने वाली फसलों का उत्पादन किया जाता है. बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में जेनेटिक इंजीनियरिंग का इस्तेमाल बृहद पैमाने पर होता है. छात्र ने 12वीं लेवल पर फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स और बायोलॉजी का अध्ययन किया है, उनके लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग का क्षेत्र बेहतरीन विकल्प है.

अन्य संस्थान

दिल्ली विविद्यालय दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली
उस्मानिया वि. विद्यालय, हैदराबाद
पंजाब एग्रीकल्चरल वि. विद्यालय, लुधियाना
चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चरल वि.विद्यालय, हिसार
आंध्रा वि.विद्यालय, विशाखापत्तनम
मद्रास वि,विद्यालय, चेन्नई
बनारस हिंदू वि.विद्यालय, वाराणसी

लेकिन इस फील्ड में आगे तभी बढ़ा जा सकता है जब आप विषय को अच्छी तरह समझ सकें. तभी रोजगार भी मिल सकता है. पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर के काफी कम संस्थान हैं जहां जेनेटिक की पढ़ाई होती है लेकिन अधिकतर संस्थानों में जेनेटिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई ग्रेजुएशन स्तर पर होती है और बीटेक संचालित किया जाता है. इसके तहत जेनेटिक मेकअप के अलावा विशिष्ट जींस का अध्ययन किया जाता है. जो छात्र जेनेटिक्स या जेनेटिक इंजीनियरिंग का अध्ययन करना चाहते हैं उन्हें गहरे तौर पर 12वीं स्तर पर फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स और बायोलॉजी का अध्ययन करना चाहिए. जेनेटिक्स बायोटेक्नोलॉजी के व्यापक क्षेत्र का हिस्सा है. बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री पूरी तरह जेनेटिक्स पर आधारित है क्योंकि इसी के जरिए फार्मास्यूटिकल्स के प्रोडक्ट मसलन, इंसुलिन या दूसरी दवाइयां बनती हैं. मेडिकल फील्ड में जेनेटिक्स का फोकस बीमारियों, बीमारियों के मॉल्यूक्युलर आधार और इससे बचाव पर होता है. औद्योगिक उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी अहम भूमिका निभाता है खासकर बायोकेमिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में. इसके दायरे में बायोलॉजी की तमाम शाखाएं मसलन माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स और मॉलिकुलर बायोलॉजी के अलावा केमिकल और सिस्टम इंजीनियरिंग आते हैं. अधिकतर विविद्यालय जेनेटिक्स में अलग कोर्स संचालित नहीं करते बल्कि बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमेस्ट्री जैसे स्ट्रीम के तहत सब्सिडियरी विषय के तौर पर संचालित करते हैं. बीटेक लेवल पर जेनेटिक इंजीनियरिंग के कोर्स काफी कम ही जगह संचालित किए जाते हैं. यही कारण है कि अधिकतर छात्र बायोटेक्नोलॉजी या बॉयोकेमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक कोर्स में एडमिशन लेते हैं. दूसरा ऑप्शन यह है कि जेनेटिक्स, बॉयोलॉजिकल साइंस, लाइफ साइंसेज या बायोटेक्नोलॉजी में बीएससी की डिग्री हासिल करते हैं और तब जेनेटिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन.

करियर

यदि जेनेटिक से संबंधित डिग्री लेने के बाद आप वैज्ञानिक बनना चाहते हैं तो आपको डॉक्टोरल डिग्री लेनी होगी. रिसर्च और डेवलपमेंट ऑग्रेनाइजेशन, फार्मास्यूटिकल कंपनियों, बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीज के अलावा एकेडमिक इंस्टीटयूशन आदि में संभावनाएं हैं.

संस्थान

किसी भी आईआईटी में जेनेटिक इंजीनियरिंग में बीटेक का कोर्स नहीं हैं. इसके बदले बायोटेक्नोलॉजी और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग प्रोग्राम ऑफर करते हैं. आईआईटी, चेन्नई में बायोटेक्नोलॉजी में बीटेक और पांच वर्षीय डयूएल डिग्री एमटेक प्रोग्राम है. आईआईटी खड़गपुर में बायोटेक्नोलॉजी और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक और पांच वर्षीय डयूएल एमटेक का कोर्स है.

आईआईटी गुवाहाटी में बायोटेक्नोलॉजी में बीटेक कोर्स है. आईआईटी दिल्ली में बायोके मिकल इंजीनियरिंग और बायोटेक्नोलॉजी में पांच वर्षीय डयूएल डिग्री एमटेक कोर्स संचालित किया जाता है. आईआई टी रुड़की में बॉयोटेक्नोलॉ जी में एमटेक कोर्स है. पुणो वि.विद्यालय में बायोटेक्नोलॉजी में एमएससी और एमटेक प्रोग्राम संचालित किये जाते हैं. यहां वि.विद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर एडमिशन होते हैं.

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार कार पलटने से युवक की मौत

राजगढ़। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर सारंगपुर थाना क्षेत्र में बाइपास स्थित गंगा होटल के समीप तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई, हादसे में कार चालक 30 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार बीती रात बाइपास रोड़ स्थित गंगा होटल के समीप तेज रफ्तार कार क्रमांक एमपी 09 सीएफ 8010 अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार चालक मौहम्मद इरफान पुत्र मौहम्मद इलियास निवासी वकील कॉलोनी भोपाल की मौके पर ही मौत हो गई।

हाइवे पर घायल बुजुर्ग को एसपी ने दिया सीपीआर, अस्पताल में मौत

राजगढ़। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर करनवास थाना क्षेत्र में अज्ञात कार ने 70 वर्षीय व्यक्ति को टक्कर मार दी। हादसे में घायल व्यक्ति को एसपी आदित्य मिश्रा ने सीपीआर देकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और अज्ञात चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार बीती शाम हाइवे स्थित करनवास के समीप तेज रफ्तार कार ने मोपेड सवार रतनलाल (70) पुत्र हजारीलाल विश्वकर्मा को टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गया।

फांसी का फंदा लगाकर युवक ने की आत्महत्या

राजगढ़। खिलचीपुर थाना क्षेत्र के गोविंदधाम कॉलोनी में रहने वाले 17 वर्षीय युवक ने घर में लगे वेंटीलेशन से स्टॉल का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार बीती शाम गोविंदधाम कॉलोनी खिलचीपुर निवासी हर्षवर्धन(17) पुत्र जोधराज राजपूत ने घर में लगे वेंटीलेशन से स्टॉल का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया।

बांदीकुई जंक्शन पर रेल लाइन में आई दरार

दौसा। जयपुर-दिल्ली रेलमार्ग पर बुधवार को बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। बांदीकुई रेलवे स्टेशन पर सुबह रेल पटरी पर अचानक दरार आ गई। बांदीकुई जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बुधवार सुबह रेल लाइन में फ्रैक्चर (दरार) आ गई। हालांकि, एक पैसेंजर की सजगता से बड़ा हादसा टल गया। जैसे ही पैसेंजर की नजर टूटी हुई पटरी पर पड़ी तो उसने तुरंत रेल प्रशासन को सूचना दी। मौके पर पहुंचे रेल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पटरियों को ठीक किया। गाड़ी संख्या 14734 जयपुर-बठिंडा पैसेंजर सुबह करीब 7.30 बजे बांदीकुई जंक्शन पर पहुंची। तभी एक यात्री की नजर रेलवे ट्रैक पर पड़ी।

जम्मू कश्मीर, हरियाणा, उत्तराखंड समेत छह राज्यों के ज्योति कलश रथ रवाना

हरिद्वार। गीता जयंती के पावन अवसर पर गायत्री परिवार के प्रमुखद्वय डॉ. प्रणव पण्ड्या और शैलदीदी ने उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, हरियाणा सहित छह राज्यों के ज्योति कलश रथ का विधिपूर्वक पूजन कर उन्हें रवाना किया। इस यात्रा का आयोजन वर्ष 2026 में गायत्री परिवार की संस्थापिका माता भगवती देवी शर्मा और सिद्ध अखंड दीप की शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। इसके तहत देश भर में ज्योति कलश यात्रा के माध्यम से सनातन संस्कृति की धारा से जन-जन को प्रकाशित करने का विशेष अभियान चलाया जाएगा। शांतिकुंज व्यवस्थापक योगेन्द्र गिरी ने बताया कि उत्तराखंड, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के लिए सिद्ध अखंड दीप से ऊर्जा लेकर ज्योति कलश रथ रवाना हुआ है।

एटीएम बदलकर खाते से उड़ाए 40 हजार

हरिद्वार। एटीएम बदलकर एक व्यक्ति के खाते से 40 हजार रुपए निकाल लिए गए। मामले की तहरीर पुलिस को दी गई है। पुलिस तहरीर के आधार पर जांच में जुटी है। रूड़की गंगनहर कोतवाली पुलिस को प्रीतविहार निवासी हरदीप कौर ने तहरीर देकर बताया कि वह मंगलवार दोपहर करीब 12. 40 बजे रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित पीएनबी एटीएम बूथ से पैसे निकलवाने गई थी, उसी समय एक युवक वहां आया और बातों में उलझाकर उसका एटीएम कार्ड बदल लिया।

नदी में अर्धनग्न अवस्था में मिले दो शव

गोपेश्वर। चमोली जिले के सीमावर्ती क्षेत्र नीती घाटी के सूकी गांव के समीप गाड़ी ब्रिज के नीचे नदी में बुधवार को दो शव अर्धनग्न अवस्था में मिले है। जिनकी शिनाख्त नेपाली मूल के लोगों के रूप में की है। जबकि एक अन्य युवक लापता बताया जा रहा है। जिसकी खोजबीन एसडीआरएफ की ओर से की जा रही है। राजस्व पुलिस ने घटना स्थल पहुंचकर इसकी छानबीन करने के बाद मामले को रेगुलर पुलिस को सौंप दिया है।

डॉ. यादव ने प्रदेश में नवीन यात्री बस सेवा संचालन के संबंध में ली बैठक

बस सेवा संचालन में यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए : डॉ. मोहन

भोपाल। एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में नवीन यात्री बस सेवा के संचालन में यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। ग्रामीण क्षेत्र के यात्रियों की आवश्यकता और इंटरसिटी मार्गों के महत्व को ध्यान में रखते हुए बसों का संचालन किया जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को प्रदेश में नवीन यात्री बस सेवा आरंभ करने और इसकी संगठनात्मक संरचना, दायित्व तथा संचालन के संबंध में समत्व भवन में हुई बैठक में अधिकारियों को दिये। बैठक में अन्य राज्यों में संचालित व्यवस्था की जानकारी

भी दी गई। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टिकट बुकिंग, बस ट्रैकिंग जैसे टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म के समस्त लाभ यात्रियों को सरलता से प्राप्त हों, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए समयसीमा निर्धारित करें तथा जल्द से जल्द प्रदेश में नवीन यात्री बस सेवा का संचालन आरंभ करना सुनिश्चित किया जाए।

प्रशिक्षण के लिए संभाग स्तर पर बनेंगे ट्रेनिंग सेंटर

बैठक में जानकारी दी गई की शहरी, ग्रामीण परिवहन सेवा के साथ-साथ अंतर शहरी अन्तर्राज्यीय नवीन यात्री परिवहन सेवा का प्रबंधन मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। क्षेत्रीय स्तर पर कंपनियां होंगी और जिला स्तर पर निगरानी के लिए भी परिवहन समितियां का गठन होगा। राज्य स्तरीय और संभाग स्तरीय कार्यालय में कंट्रोल एवं कमांड सेंटर स्थापित किए जाएंगे। नोटिफाईड रूटस पर निविदा प्रक्रिया से ऑपरेटर का चयन तथा अनुबंध होगा। कंपनी, अनुबंधित ऑपरेटर्स को परमिट और संचालन में सहयोग प्रदान करेगी। यात्री बस सेवा संचालन में लगे स्टाफ के प्रशिक्षण के लिए संभाग स्तर पर ट्रेनिंग सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो बस ऑपरेटर परमिट में उल्लेखित नियम शर्तों का पालन नहीं कर रहे हैं, उन पर कार्रवाई की जाए। यात्रियों की सुविधा और बेहतर बस सेवा संचालन के लिए अद्यतन आईटी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस का उपयोग किया जाएगा। यात्रियों के लिए ई-टिकट, मोबाइल एप, बस ट्रैकिंग, ऑक्युपेंसी देखने और भुगतान की सरलतम सुविधा उपलब्ध होगी।

पुलिस टीम ने मुठभेड़ में बदमाश को दबोचा

वाराणसी। रोहनिया थाना क्षेत्र के नकाइन गांव के समीप पुलिस टीम ने मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश बेदी पटेल को दबोच लिया। मंगलवार देर रात हुई मुठभेड़ की जानकारी पाते ही मौके पर एडीसीपी वरूणाजोन, एसीपी सहित अन्य अफसर भी पहुंच गए। घायल बदमाश को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। एडीसीपी वरूणाजोन आईपीएस सरवणन टी ने पत्रकारों को बताया कि रोहनिया पुलिस इलाके में देर रात संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान नकाइन गांव में देर रात बदमाशों के आने की सूचना पर पुलिस टीम ने मंडुवाडीह पुलिस से सूचना साझा कर वहां पहुंच कर घेराबंदी कर ली। तब तक मंडुवाडीह पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। दोनों थानों की पुलिस टीम ने वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। चेकिंग के दौरान एक बाइक पर दो संदिग्ध दिखे। पुलिस टीम को देखते ही दोनों वाहन मोड़ कर भागने लगे। पुलिस टीम के पीछा करने पर दोनों बदमाशों ने टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी तो वह वाहन से गिर पड़ा।

सीरिया में फंसे पाकिस्तान के 350 नागरिक लेबनान पहुंचे

बेरूत (लेबनान)। सीरिया में फंसे पाकिस्तान के 245 तीर्थयात्रियों सहित लगभग 350 नागरिक लेबनान सीमा पार कर गए । सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के पतन के बाद पैदा हुए संकट के बाद पाकिस्तान के सैकड़ों तीर्थयात्री अभी भी फंसे हुए हैं। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, सीरिया में मौजूद पाकिस्तान के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेशमंत्री सीनेटर मोहम्मद इशाक डार के निदेर्शों के तहत दमिश्क में पाकिस्तान के दूतावास ने प्रत्यावर्तन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया।सीरिया में मिशन के उप प्रमुख उमर हयात पाकिस्तान के नागरिकों के साथ सीमा पर पहुंचे। बेरूत में मिशन के उप प्रमुख नवाब आदिल ने लेबनान में सीमा पर मुल्क के नागरिकों का स्वागत किया।

श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव, छात्रों को मिला नया आयाम

ऋषिकेश। एजेंसी

श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर में स्थित रूसा सभागार में प्लेसमेंट सेल द्वारा एक प्रभावी प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख कंपनी 'बूस्ट माई टैलेंट' के एचआर प्रतिनिधि अर्चित शर्मा ने छात्रों का साक्षात्कार लेकर उन्हें रोजगार के विविध अवसरों की जानकारी दी। ड्राइव में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साक्षात्कार के दौरान अर्चित शर्मा ने छात्रों की योग्यता और कौशल का मूल्यांकन करते हुए, उन्हें उद्योग की आवश्यकर्ताओं, नवीनतम तकनीकों, और आवश्यक पेशेवर कौशलों के बारे में मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने छात्रों को आत्मविश्वास बढ़ाने और प्रस्तुतिकरण कौशल में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। प्लेसमेंट सेल के संयोजक डॉ. एस.के. कुड़ियाल ने कार्यक्रम के आयोजन में सेल के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा हमारा लक्ष्य केवल रोजगार के अवसर प्रदान करना नहीं है, बल्कि छात्रों को उद्योग की मांगों के अनुसार प्रशिक्षित करना और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले महीनों में अन्य प्रमुख कंपनियों को भी आमंत्रित किया जाएगा और कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर आधारित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।

शिक्षा के साथ करियर निर्माण पर जोरपरिसर निदेशक प्रो. एम.एस. रावत ने प्लेसमेंट ड्राइव के सफल आयोजन पर टीम को बधाई दी और इसे छात्रों के करियर निर्माण की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह ड्राइव न केवल छात्रों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ा रहा है।

सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज ने नई सरकार की तरफ बढ़ाया दोस्ती का हाथ

दमिश्क। एजेंसी

सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के परिवार समेत रूस भाग जाने के बाद राजनीतिक और सामरिक स्थितियां बदल गई हैं। सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) ने नई सरकार की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। उन्होंने उदार रुख अपनाए जाने की उम्मीद जताई है। अरबी न्यूज वेबसाइट '+963' के अनुसार एसडीएफ के कमांडर-इन-चीफ मजलूम आब्दी ने मंगलवार शाम 'अल-अरबिया अल-हदथ चैनल' से बातचीत में दमिश्क की नई सरकार के साथ संवाद करने की इच्छा जताई। उन्होंने नई सरकार में बातचीत के माध्यम से सभी सीरियाई क्षेत्रों और घटकों का प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता पर बल दिया। आब्दी ने कहा कि संगठन का रिश्ता नई सरकार के साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि एसडीएफ संघर्ष को कम करने के लिए अमेरिकियों के माध्यम से तुर्किये और हयात तहरीर अल-शाम के साथ संपर्क में है। आब्दी ने कहा कि एसडीएफ ने पूर्व सीरियाई शासन के साथ सबसे अधिक संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि अलेप्पो के उत्तर-पूर्व में स्थित मनबिज शहर के पास यूफ्रेट्स नदी पर तिशरीन बांध के आसपास एसडीएफ और अंकारा के प्रति वफादार गुटों के बीच झड़पें हुई हैं।

नेपाल और चीन के बीच बीआरआई के अतिरिक्त एक और समझौते का खुलासा

काठमांडू। एजेंसी

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की हालिया चीन यात्रा के दौरान बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के साथ-साथ एक और समझौता होने का खुलासा हुआ है जिसे सरकार ने अब तक छिपा कर रखा हुआ था। नेपाल और चीन के बीच ट्रांस हिमालयन मल्टी डायमेंशनल कनेक्टिविटी नेटवर्क के तहत वर्ष 2025-2029 के लिए विकास योजना नामक नए समझौते पर हस्ताक्षर किया गया था। नेपाल के वित्त मंत्रालय और चीन अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी के बीच हस्ताक्षरित नए समझौते के दस्तावेज को नेपाल सरकार ने गुप्त रखा है लेकिन चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी ने इसका खुलासा कर दिया। चीन की तरफ से किए गए खुलासे के बाद नेपाल सरकार कोई प्रतिक्रया देने से मना कर रही है। नेपाल के वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता महेश भट्टराई ने सिर्फ इतना बताया कि मंत्रालय बीजिंग में हस्ताक्षरित विकास योजना के दस्तावेज से

पूरी तरह से अवगत नहीं है और अगर इस तरह का कुछ समझौता हुआ है तो विदेश मंत्रालय से विवरण मिलने की प्रतीक्षा कर रहा है। मंगलवार को विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह बीजिंग में नेपाल और चीन के बीच हस्ताक्षरित बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव सहयोग के लिए हुए समझौता से जुड़े दस्तावेज जारी किए।

लेकिन विकास योजना (2025-2029) पर वित्त मंत्रालय, नेपाल और चीन अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी के बीच समझौता ज्ञापन जारी किया जाना बाकी है। वैसे तो नेपाल और चीन के बीच हुए हर उच्च स्तरीय भ्रमण के बाद जारी वक्तव्य में ट्रांस हिमालयन मल्टी डाइमेंशनल कनेक्टिविटी की बात रहती थी लेकिन यह पहली बार है जब दोनों देशों के बीच इस विषय को लेकर लिखित समझौता हुआ है।

हालांकि चीन सरकार ने इस योजना को लागू करने के लिए अगले चार वर्षों के लिए नेपाल को प्रदान की जाने वाली राशि का उल्लेख नहीं किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कृष्णा प्रसाद ढकाल ने माना कि प्रधानमंत्री ओली के भ्रमण के दौरान अगले चार वर्षों के लिए विभिन्न विकास योजनाओं के सहयोग के कुछ क्षेत्रों की पहचान करने के अलावा अभी तक किसी और विवरण पर चर्चा नहीं की गई है।

यूरोपीय संघ ने सीरिया को दी चेतावनी

इराक, लीबिया और अफगानिस्तान न बनने देने की नसीहत

ब्रुसेल्स। एजेंसी

यूरोपीय संघ ने सीरिया के लोगों को चेतावनी दी है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने कहा कि अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया को जबरदस्त चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

श्अरबी न्यूज वेबसाइट '+963' के अनुसार, मंगलवार को यूरोपीय संघ की बैठक में सीरिया की बदली हुई परिस्थितियों पर चर्चा की गई। यह बैठक मुख्यालय (बलेर्मोंट बिल्डिंग) में हुई। काजा कैलास ने कह हम सीरियाई लोगों से अपील करते हैं कि वे इराक, लीबिया और अफगानिस्तान में हुए भयानक परिदृश्यों को न दोहराएं। आज हम एक ऐतिहासिक घटना का सामना कर रहे हैं और हमें सीरियाई लोगों को शासन से मुक्ति के लिए बधाई देनी चाहिए, लेकिन यह परिवर्तन सीरिया और क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौतियों का भी प्रतिनिधित्व

करता है। काजा ने अल्पसंख्यकों सहित सभी सीरियाई लोगों के अधिकारों की रक्षा करने और सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता को संरक्षित करने का आह्वान करते हुए कहा यूरोपीय संघ की धार्मिक समूहों के बीच हिंसा, उग्रवाद की वापसी और राजनीतिक शून्यता पर चिंताएं वाजिब हैं। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "सीरिया के लोग ही हैं जो सीरिया का भविष्य तय करेंगे। सभी देशों को एक समावेशी और पारदर्शी प्रक्रिया का समर्थन करने और बाहरी हस्तक्षेप से बचने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका सीरियाई नेतृत्व वाले राजनीतिक परिवर्तन के लिए अपने पूर्ण समर्थन की पुष्टि करता है।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप ट्रैक्टर-ट्राली में घुसी, एक की मौत

आजमगढ़। जिले के कंधरापुर थाना क्षेत्र के कंधरापुर कस्बे के पास मंगलवार की बीती रात करीब 11 बजे गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 22 श्रद्धालु घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। पिकअप में सवार सभी श्रद्धालु गोविंद साहब मेले से दर्शन पूजन कर घर लौट रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने मौत पर शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं। मऊ जनपद के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के अमारी गांव के रहने वाले लगभग 24 की संख्या में श्रद्धालु एक पिकअप वाहन में सवार होकर आजमगढ़ और अम्बेडकरनगर जनपद की सीमा पर लगने वाले गोविंद साहब मेले में गए थे। दर्शन पूजन के बाद देर रात वह वह करीब 11 बजे वापस मऊ लौट रहे थे कि कंधरापुर थाना के कंधरापुर कस्बे के पास एक गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्राली आजमगढ़ की तरफ आ रही थी।

समीक्षा | चिकित्सा उपकरणों की खरीदी और ट्रांसफर पोर्टल की तैयारी की समीक्षा

अधोसंरचनात्मक विकास के साथ उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए : राजेन्द

- पोर्टल सुविधाजनक और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित
- विभागीय स्तर पर पोर्टल को और अधिक दुरुस्त करने के निर्देश दिये
- ट्रांसफर प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो

भोपाल। एजेंसी

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अधोसंरचना के विस्तार और अत्याधुनिक उपकरणों की खरीदी के प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जाये कि

सेवाएं समय पर आम नागरिकों तक पहुंचे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बुधवार को मंत्रालय में प्रदेश के विभिन्न जिला चिकित्सालयों और कैंसर अस्पतालों में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए की जा रही खरीदी प्रक्रिया की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि अधोसंरचना विकास के साथ-साथ आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रक्रिया की सतत मॉनीटरिंग कर समयसीमा के भीतर उपकरण खरीदी का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने सीटी स्कैन, एमआरआई, कैथ लैब, पेट-स्कैन, लाईनैक, और ब्रेकी-थेरेपी जैसे उन्नत उपकरणों की खरीदी प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेश के चिकित्सकीय संस्थानों में औषधि एवं कंज्यूमेबल की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उक्त सामग्री आवश्यकतानुसार संस्थानों में उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने ट्रांसफर पोर्टल की तैयारी की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल सुविधाजनक और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। उन्होंने विभागीय स्तर पर पोर्टल को और अधिक दुरुस्त करने के निर्देश दिये ताकि ट्रांसफर प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी, एमडी एमपीपीएचएससीएल मयंक अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्लाईवुड फैक्ट्री में आग से लाखों का नुकसान

यमुनानगर। यमुनानगर में जोड़ियां नाका के नजदीक शिवम प्लाइवुड फैक्ट्री में अचानक से भयंकर आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। दमकल विभाग की दर्जनों गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बुधवार को अधिक जानकारी देते हुए फैक्ट्री में रात्रि ड्यूटी पर काम करने वाले प्रदीप ने बताया कि अलसुबह सुबह ढाई बजे के करीब वह फैक्ट्री के अंदर की तरफ प्रेस पर काम कर रहा था और फैक्ट्री में आग लगी दिखाई दी। जिसकी सूचना उसने दमकल विभाग को दी।

गरीबों की जमीन कब्जामुक्त कराएं दबंगों को सबक सिखाएं : योगी

गोरखपुर। एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गरीबों की जमीन कब्जामुक्त कराएं और अवैध कब्जा करने वाले दबंगों को कानूनी सबक सिखाएं। उन्होंने कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जमीन कब्जा करने के मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश

दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके, इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया।

संक्षिप्त खबरें

चैंपियंस लीग 2024-25: विनीसियस जूनियर के गोल से रियल मैड्रिड ने अटलांटा को हराया

बर्गमो (मिलान)। रियल मैड्रिड ने मंगलवार देर रात किलियन एमबाप्पे, विनीसियस जूनियर और जूड बेलिंगहैम के गोलों की बदौलत अटलांटा पर चैंपियंस लीग में 3-2 से जीत हासिल की, जिससे प्रतियोगिता में उनकी लगातार दो मैचों से चली आ रही हार का सिलसिला भी टूट गया। रियल ने सीरी ए की लीडर टीम को इस सीजन के नए चैंपियंस लीग में पहली हार दी, जब एमबाप्पे ने 10वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके टीम को बढ़त दिलाई हालांकि इसके बाद चोट के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। मध्यांतर से ठीक पहले चार्ल्स डी केटेलेयर ने पेनाल्टी के जरिए गोल कर अटलांटा को बराबरी दिला दी, लेकिन 56वें मिनट में विनिसियस जूनियर ने रिबाउंड पर गोल करके मेहमान टीम को फिर से आगे कर दिया। तीन मिनट बाद बेलिंगहैम ने जवाबी हमला करके अपनी बढ़त को बढ़ाया लेकिन 65वें मिनट में एडेमोला लुकमैन ने गोल करके अंतर को कम किया, जिसके बाद रियल के गोलकीपर थिबॉट कोर्टोइस ने अपना जादू दिखाते हुए लगातार गोल बचाकर टीम को 3-2 से जीत दिला दी। दो मैच शेष रहते, रियल 36 टीमों की तालिका में नौ अंकों के साथ 18वें स्थान पर है, जो शीर्ष आठ स्थानों से तीन अंक पीछे है, जिससे अंतिम 16 में सीधे प्रवेश सुनिश्चित होता है। अटलांटा 11 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है।

स्नूकर प्रतियोगिता : प्रयागराज के सृजन और देहरादून के रोहित पहुंचे चौथे दौर में

लखनऊ। यूपीबीएसए (उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स एंड स्नूकर एसोसिएशन) के तत्वावधान में आयोजित सीनियर स्नूकर के तीसरे दौर के प्रतियोगिता में प्रयागराज के सृजन सिंह, दिल्ली के प्रतीक चौधरी व मफान खान और देहरादून के रोहित गर्ब्याल ने जीत दर्ज की। वहीं लखनऊ के कंकन शम्सी, अशर अबरार, लराइब किदवई व वंश पंजवानी और दिल्ली के युवा काशिफ खान ने तनुज कोहली मेमोरियल नॉर्थ इंडिया ओपन स्नूकर टूर्नामेंट में तीसरे दौर में बेहतरीन खेल दिखाया और चौथे दौर में प्रवेश किया। लखनऊ के सीनियर स्नूकर प्लेयर कंकन शम्सी ने 56 के अद्भुत ब्रेक से सभी को प्रभावित किया और बेस्ट-ऑफ-फाइव मैच में हरियाणा के शोकीन मोहम्मद को 3-1 से हराया। शम्सी ने दबाव में भी संयम से खेलते हुए उम्दा शॉट लगाते हुए जीत हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने तीसरे वनडे में भारतीय टीम को 83 रन से हराया

- सीरीज 3-0 से की अपने नाम

पर्थ। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे एवं आखिरी वनडे मैच में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 83 रन से हरा दिया है। इसी के साथ तीन मैचों की सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से अपने नाम कर लिया। पर्थ में खेले गए तीसरे मुकाबले में मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 298 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की 105 रन की शतकीय पारी के बावजूद 45.1 ओवर में 215 रन पर सिमट गई और 83 रन से मैच हार गई। 299 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। पांचवें ओवर में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष 2 रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना ने हरलीन देओल के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए 21 ओवर तक टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। इस साझेदारी का अंत हरलीन का विकेट गिरने से हुआ। हरलीन 64 गेंदों में 39 रन की पारी खेलकर आउट हुईं। भारतीय टीम का तीसरा विकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर के रूप में गिरा। उन्होंने 12 रन बनाए। दूसरे छोर से मंधाना क्रिज पर डटी रहीं और 103 गेंदों में वनडे करियर का नौवां शतक पूरा किया। हालांकि शतक के बाद वह 105 रन की पारी खेलकर आउट हो गईं।

- दूसरे छोर से मंधाना क्रिज पर डटी रहीं और 103 गेंदों में वनडे करियर का नौवां शतक पूरा किया। हालांकि शतक के बाद वह 105 रन की पारी खेलकर आउट हो गईं

109 गेंदों में 14 चौके और एक छक्के की मदद से 105 रन की पारी खेली। मंधाना का विकेट गिरने के बाद टीम का अन्य कोई बल्लेबाज ज्यादा कुछ नहीं कर पाया और पूरी टीम 215 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की ओर से एशले गार्डनर ने पांच विकेट लिए। मेगन स्कट ने 2, अलाना किंग ने 2 और ऐनाबेल सदरलैंड ने एक विकेट लिया। इससे पहले मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी की।

वेंकटेश अय्यर के हरफनमौला प्रदर्शन से मध्य प्रदेश सेमीफाइनल में

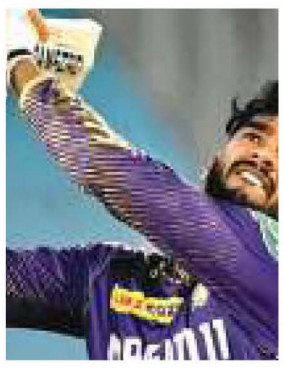

अलूर (कर्नाटक)। एजेंसी

हरप्रीत सिंह और वेंकटेश अय्यर की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत मध्य प्रदेश ने अलूर में सौराष्ट्र को चार गेंद शेष रहते छह विकेट से हराकर 2010-11 के बाद पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सौराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में मध्य प्रदेश ने 19.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी वेंकटेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाए, इसके अलावा उन्होंने तीन ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए। दूसरी तरफ हरप्रीत ने नौ गेंदों पर आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 22 रन बनाए। इन दोनों के अलावा मध्य प्रदेश के लिए अर्पित गौड़ (29 गेंदों पर 42 रन), सुभ्रांशु सेनापति (16 गेंदों पर 24 रन) और कप्तान रजत पाटीदार (18 गेंदों पर 28 रन) ने भी मध्य प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं, सौराष्ट्र के लिए चिराग जानी ने 45 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाए। जानी ने अपनी पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाए। उन्होंने सौराष्ट्र के लिए आखिरी तीन ओवरों में 45 रन जोड़े। एक समय 36 गेंदों पर 54 रन बनाने वाले गोहिल ने 18वें ओवर से दो चौके और एक छक्का लगाया। चिराग के अलावा हार्विक देसाई और जय गोहिल ने 17-17 रन बनाए, जबकि प्रेरक मांकड ने 16 और विश्वराज जडेजा ने 15 रन बनाए।

एफआईवीबी ने की वॉलीबॉल नेशंस लीग के लिए मेजबान शहर और पूल की घोषणा

जिनेवा। एजेंसी

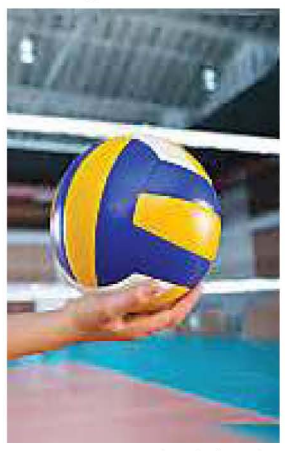

विश्व वॉलीबॉल नियामक संस्था एफआईवीबी ने मंगलवार को 2025 वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) के विवरण की घोषणा की, जिसमें मेजबान शहर, पूल, कार्यक्रम और टिकट शामिल हैं। महिलाओं की प्रतियोगिता 4-8 जून, 2025 तक तीन शहरों - कनाडा के ओटावा, ब्राजील के रियो डी जेनेरियो और चीन की राजधानी बीजिंग में होगी, जबकि पहले सप्ताह की पुरुषों की प्रतियोगिता 11-15 जून तक कनाडा के क्यूबेक शहर, रियो डी जेनेरियो और चीन के शीआन में आयोजित की जाएगी। महिलाओं की प्रारंभिक प्रतियोगिता 9-13 जुलाई को नीदरलैंड के एपेलडॉर्न, संयुक्त राज्य अमेरिका के अर्लिंग्टन और जापान के कैंटो में आयोजित की जाएगी, जबकि पुरुषों की टीमें अपने अंतिम प्रारंभिक मैचों में 15-20 जुलाई को पोलैंड के ग्दांस्क, स्लोवेनिया के ल्युब्लजाना और कैंटो में प्रतिस्पर्धा करेंगी। 2025 वीएनएल में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 16 से बढ़ाकर 18 कर दी गई है, क्योंकि चीन और यूक्रेन को पुरुषों की सूची में जोड़ा गया है। जबकि चेक गणराज्य और बेल्जियम को महिलाओं की सूची में रखा गया है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : नंबर वन बल्लेबाज बने हैरी ब्रूक, गेंदबाजों में बुमराह शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। एजेंसी

हैरी ब्रूक ने बुधवार को जो रूट को पछाड़कर नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वहीं गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ₹टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बदलाव हुआ है, जबकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सितारों ने अद्यतन सूची में बड़ी बढ़त हासिल की है। पिछले हफ्ते वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने आठवें टेस्ट शतक के दम पर ब्रूक ने रूट को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया, इंग्लैंड के दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने अब रैंकिंग में रूट पर एक अंक की बढ़त बना ली है। ब्रूक के कुल 898 रेटिंग अंक हैं, जबकि रूट के 897 अंक हैं। रूट ने इस साल जुलाई में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया था और अपने शानदार करियर में कुल नौ बार पहले स्थान पर रहे हैं। ब्रूक ने बेसिन रिजर्व में ब्लैक कैप्स पर इंग्लैंड की 323 रनों की प्रभावशाली जीत के दौरान 123 और 55 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टार ट्रैविस हेड छह पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा तीन पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पूर्व नंबर 1 रैंक वाले बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज दिनेश चांदीमल (दो पायदान ऊपर 15वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर काइल वेरिन (15 पायदान ऊपर 23वें स्थान पर) भी टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में ऊपर चढ़े हैं। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं। मिशेल स्टार्क (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर), क्रिस वोक्स (दो स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर) और गस एटकिंसन (चार स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (चार स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) शीर्ष 20 में वापस आ गए हैं।

भारत के स्पिनर रवींद्र जडेजा ऑलराउंडरों की टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 पर बने हुए हैं। वनडे रैंकिंग में वेस्टइंडीज के दो खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज के पहले दो मैचों के बाद बढ़त हासिल की है। शाई होप बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान के सुधार के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय पुरुष और महिला टीमें विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार को हांगकांग-चीन में खेले गए मुकाबले में दोनों टीमों ने प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया जबकि पुरुष टीम कोलंबिया से 1-2 से हार गई, लेकिन कोलंबिया ने आयरलैंड को हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने में सफलता हासिल की, जिससे भारतीय टीम अपने प्रारंभिक समूह में दूसरे स्थान पर रही। भारतीय पुरुष टीम प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम अगले चरण में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। दोनों वर्गों के प्री-क्वार्टर फाइनल में 12 टीमें होंगी, जिनमें से चार को बाई दिया जाएगा। अपने आखिरी लीग मैच में भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया, जिसमें आकांक्षा सालुंखे, अनाहत सिंह और निरुपमा दुबे ने सीधे गेम में अपने-अपने मैच जीते।

स्क्वैश रैंकिंग में 206वें स्थान पर काबिज निरुपमा दुबे ने मुकाबले के शुरूआती मैच में बीट्राइस फिलिप्पी को केवल 15 मिनट में 3-0 (11-4, 11-3, 11-1) से हराया। विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत सिंह ने विश्व की 131वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टीना टाटारोन को 3-0 (11-3, 11-9, 11-3) से हराकर इसे और मजबूत किया, वहीं, विश्व की 70वें नंबर की खिलाड़ी आकांक्षा सालुंखे ने फ्लाविया मिसेली को 3-0 (11-3, 11-3, 11-1) से हराया।

तरन्नुम बानो ने की शानदार बल्लेबाजी, एनआर डे ने जीता मैच

लखनऊ। महिला क्रिकेट लीग के दूसरे राउंड में एन.आर. डे ने नीरू कपूर को 26 रन से मात दे दी। इस मैच में एनआर के तरन्नुम बानो ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 85 रन बनाए। एनआर डे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में छह विकेट गंवाकर 186 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शरगुन यादव मात्र पांच रन बनाकर आउट हो गयीं। वहीं अपनी टीम में सबसे अधिक तरन्नुम बानो ने सात चौकों की मदद से 113 बाल पर 85 रन बनाये। वहीं अंशु तिवारी ने 37 रन का योगदान दिया।

एचआईएल जैसी लीग में खेलने का सपना देखा करती थी: वंदना

बेंगलुरु। एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम में करीब 15 साल के कठिन सफर के बाद, वंदना कटारिया इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने की कगार पर हैं क्योंकि वह अगले साल की शुरूआत में उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए मैदान में उतरने के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। वंदना ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, ₹हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात है कि महिला एचआईएल आखिरकार शुरू हो रही है। शिविर में उत्साह है क्योंकि सभी खिलाड़ी इस अनुभव का आनंद लेने और उच्च स्तर पर हॉकी खेलने के लिए उत्सुक हैं। हम सभी उम्मीद कर रहे हैं कि महिला एचआईएल एक बड़ी सफलता होगी और पुरुषों की एचआईएल जितनी ही चर्चा बटोरेगी और हम बेहद उत्साहित हैं और इसे संभव बनाने के लिए हॉकी इंडिया का जितना धन्यवाद करें, कम है। वंदना भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 317 मैच खेल चुकी हैं और इस दौरान उन्होंने 158 गोल किए हैं।

व्यापार

बाउमा कॉनएक्सपो इंडिया में एल्जी का नया पीजी 850एस-290 पोर्टेबल कंप्रेसर लॉन्च

संवाददाता

नई दिल्ली। एयर कंप्रेसर मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल लीडर, एल्जी इक्विपमेंट्स लिमिटेड (बीएसईः 522074 एनएसईः एल्जीइक्विप) ने बाउमा कॉनएक्सपो इंडिया 2024 के 7वें संस्करण में अपना नया इनोवेशन, पीजी 850एस-290 पोर्टेबल एयर कंप्रेसर लॉन्च किया। यह इवेंट इंडिया एक्सपो सेंटर, दिल्ली एनसीआर में हो रहा है। एल्जी के आउटडोर बूथ, ओजी 30 में इलेक्ट्रिक-पॉवर्ड पीजी 110 ई, पीजी 132 ई, पीजी 22 ई और डीजल-पॉवर्ड पीजी550-215 पोर्टेबल एयर कंप्रेसर्स भी प्रदर्शित हैं, जो भारत में माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में व्यापक रूप से अपनाए जाते हैं। इस ट्रेड शो में 1000 से अधिक एक्सहिबिटर्स, 75,000 विजिटर्स तथा कंस्ट्रक्शन, माइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के प्रमुख डिसीजन-मेकर्स के शामिल होने की उम्मीद है।

पीजी 850एस-290 पोर्टेबल एयर कंप्रेसर को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह शानदार परफॉर्मेंस सुनिश्चित करे और कुशलता से काम करे। इसमें एक इंटेलिजेंट कंट्रोल सिस्टम शामिल है, जो न सिर्फ ड्रिलिंग ऑपरेशन्स को अनुकूलित करता है, बल्कि फ्यूल की खपत को भी कम करता है। एयर इनटेक के मामले में इसके टर्बो प्री-क्लीनर्स, धूल भरे वातावरण में भी बेहतरी से काम करते हैं, जिससे यह विषम अनुप्रयोगों के लिए आदर्श विकल्प बन जाता है। इस कंप्रेसर में ड्यूअल प्रेशर मोड्स हैं, जो संचालन की विभिन्न जरूरतों के अनुसार खुद को ढाल लेते हैं। इसकी ऊर्जा-कुशल स्क्रू प्रोफाइल, ऊर्जा बचत से समझौता किए बिना इसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देती है।

इसकी डिजाइन कम रखरखाव सुनिश्चित करती है। इस प्रकार, इसमें परिचालन लागत कम लगती है और विश्वसनीयता बढ़ती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आंकड़े आने के पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,034.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,688.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.06 प्रतिशत फिसल कर 44,219.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,280.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.15 प्रतिशत लुढक कर 7,394.78 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी नजर आ रही है। सोना 770 रुपये से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी ने भी 4,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक की छलांग लगाई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये से लेकर 78,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,220 रुपये से लेकर 72,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत बढ़ कर 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार में निसुस फाइनेंस की धांसू एंट्री, अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। एजेंसी

निसुस फाइनेंस सर्विसेज के शेयरों ने घरेलू शेयर बाजार में लिस्टिंग के जरिए जोरदार एंट्री की। बाजार में लिस्ट होते ही ये शेयर खरीदारी के सपोर्ट से अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 180 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 225 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को 25 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। स्टॉक मार्केट में लिस्ट होते ही खरीदारों ने इसे हाथों-हाथ लिया, जिससे थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 236.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही इस शेयर से 31.25 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। निसुस फाइनेंस सर्विसेज का 114.24 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 6 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। ये आईपीओ ओवरऑल 192.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 93.84 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 451.21 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 139.78 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सुविधाओं को आमजन के सुनिश्चित करने एवं अनारक्षित यात्रियों के लिए यात्रा को बढ़ावा देने के लिए 12,000 सामान्य कोचः अश्विनी वैष्णव

सुगम कुशल यात्रा और तीर्थयात्रियों के आवागमन को आसान बनाने के लिए 13,000 विशेष ट्रेनों के साथ रेलवे महाकुंभ की तैयारी कर रहा हैः रेल मंत्री

मानवरहित लेवल क्रॉसिंग को किया खत्म , हुआ सुरक्षित यात्रा और कुशल ट्रेन संचालन

चमकता राजस्थान

जयपुर /दिल्ली (खलील कुरैशी) रेलवे ने 1.26 करोड़ उम्मीदवारों के लिए भर्ती का निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन सुनिश्चित किया, जो योग्यता-आधारित रोजगार के प्रति अपने समर्पण को रेखांकित करता है केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा को संबोधित किया। सांसद सदस्यों के सवालों का जवाब देते हुए वैष्णव ने भारतीय रेलवे की कई महत्वपूर्ण पहलों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विभिन्न विषयों पर बोलते हुए, मंत्री ने यात्री सुविधाओं को बेहतर करने, कार्यान्वयन की दक्षता में सुधार, सुरक्षा सुनिश्चित करने और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। इंफ्रास्ट्रक्चर में एडवांसमेंट से लेकर नवाचारी ट्रेन सेवाओं तक, मंत्री ने देश की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रेलवे की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।संसद में बोलते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री ने गैर-एसी कोचों के लिए 2:3 और एसी कोचों के लिए 1:3 का अनुपात बनाए रखते हुए

आर्थिक रूप से कमजोर और अन्य, दोनों पर संतुलित ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। सामान्य कोचों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, एक विशेष मैन्युफैक्चरिंग कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका लक्ष्य 12,000 सामान्य कोचों का उत्पादन करना

पिछले दशक में 12,000 फ्लाईओवर और अंडरपास हुए निर्मित

है। इसमें से, 900 पहले ही इस वित्तीय वर्ष में जोड़े जा चुके हैं, वहीं 10,000 और निर्माण करने का लक्ष्य है, जिससे अनारक्षित श्रेणी के यात्रियों के लिए सुविधा सुनिश्चित की जा सके।सांसद सदस्य के सवाल का जवाब देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने आगामी महाकुंभ की व्यापक तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया। यात्रियों की अनुमानित बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए कुल 13,000 ट्रेनों की योजना बनाई गईकेंद्रीय मंत्री ने हाल ही में हुई रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) परीक्षा को पारदर्शिता और दक्षता का एक मॉडल बताया। 211 शहरों से भाग लेने वाले 1.26 करोड़ उम्मीदवारों के साथ, परीक्षा एक भी पेपर लीक या घटना के बिना संपन्न हुई। परिणामस्वरूप, 1,30,581 युवाओं ने रोजगार हासिल किया और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रियाओं के लिए एक मानदंड स्थापित किया।
एक संरचित भर्ती प्रक्रिया की मांगों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि रेलवे ने परीक्षाओं के लिए एक वार्षिक कैलेंडर पेश किया है। वर्तमान में 58,642 पदों के लिए भर्ती जारी है, हाल ही में 11 लाख से अधिक उम्मीदवार लोको पायलट चयन प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं। उन्होंने संसद को पारदर्शी तरीके से अधिकतम रोजगार के अवसर प्रदान करने की रेलवे की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।मंत्री ने कहा कि आज सभी मानवरहित अधिकृत लेवल क्रॉसिंगों को 100% मानवयुक्त कर दिया गया है या पर फ्लाईओवर या अंडरपास का निर्माण कर समाप्त कर दिया गया है। इन 10 वर्षों में 12,000 फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया गया है। यह उपलब्धि बढ़ी हुई सुरक्षा और कुशल ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करती है, जो रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

संक्षिप्त समाचार

रूमायना रंगोत्सवर के लिए 75 लोक वाणी गायको और महिला दस्तकारों की बस को एसपी मीणा ने किया झंडी दिखाकर रवाना

- मुंबई के जुहू तट पर भी गाई जाएगी मीरा की प्रभातीयां

चमकता राजस्थान। बाड़मेर/जयपुर/मुंबई, 11 दिसंबर 2024 राजस्थान की समृद्ध कला और संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के लिए बाड़मेर स्थित रूमादेवी फाउंडेशन के नेतृत्व में मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित मुक्ति कल्चरल ऑडिटोरियम में रूमायना रंगोत्सवर का आयोजन 13 दिसंबर 2024 को किया जाएगा। इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजस्थान के पारंपरिक वीणा भजन, कबीर के पद, गोरख, मीराबाई, डूंगरपुरी आदि की वाणीया और अद्भुत वीणा वादन जैसी लोक विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य मुंबई जैसे महानगर में मारवाड़ी लोक संस्कृति का प्रचार-प्रसार करना और राजस्थान की समृद्ध विरासत को दर्शकों तक पहुंचाना है।

- 50 कलाकार और 25 महिला दस्तकारों का दल रवाना :

'रूमायना रंगोत्सवर कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बाड़मेर से 50 वीणा भजन कलाकारों और 25 महिला दस्तकार बहनों का एक विशेष दल रवाना हुआ है। इस दल में 8 साल के छोटे बच्चों से लेकर अनुभवी कलाकार शामिल हैं। यह दल बाड़मेर स्थित रूमादेवी क्रॉफ्ट सेंटर से रवाना हुआ, जिसे जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा और डिंगल साहित्यकार दीपसिंह भाटी ने बस स्टैंड पर हरी झंडी दिखाकर मनोबल बढाते हुए शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। इस दौरान एसपी मीणा ने कहा कि रूमायना रंगोत्सवर केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राजस्थान की लोक परंपराओं, संगीत, और कला के प्रचार का एक सशक्त मंच है। यह पहल महिला सशक्तिकरण और कला संरक्षण की दिशा में भी एक प्रेरणा है। दीपसिंह भाटी ने इसे बाड़मेर और मारवाड़ी संस्कृति के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रयास बाड़मेर क्षेत्र के नाम को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेगा।

- महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा :

रूमादेवी फाउंडेशन की प्रवक्ता अनिता व कविता ने बताया कि रूमायना रंगोत्सवर कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण बाड़मेर की दस्तकार महिलाओं का हस्तशिल्प प्रदर्शन है। महिला दस्तकार अपने हाथों से बनाए उत्पादों को मुंबई में पेश करेंगी, जिससे ना केवल उनकी कला को पहचान मिलेगी, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण पहल है। साथ ही इस दौरान कार्यक्रम में कबीर पद, मीराबाई भजन और वीणा वादन का प्रदर्शन होगा। कार्यक्रम में वीणा भजन कलाकारों और दस्तकार महिलाओं की स्थानीय वेशभूषा के चलते राजस्थानी लोक परंपरा का जीवंत प्रदर्शन होगी।मुख्य कार्यक्रम मुंबई के मुक्ति ऑडोटोरियम में होगा वहीं जुहू तट पर सुबह के समय गाई जाने वाली वाणीयों की विशेष प्रस्तुति होगी।

जवाहर कला केन्द्र की तर्ज पर विकसित होगा अजमेर का सूचना केन्द्र- वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष

आर्ट गैलरी का लोकार्पण,4.34 करोड़ की लागत से 30 हजार स्क्वायर फीट में बनी है आर्ट गैलरी

शहर के कलाकारों, चित्रकारों, फोटोग्राफर्स, विद्वानों और विद्यार्थियों को मिलेगा मंच

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 11 दिसंबर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर के सूचना केन्द्र को जयपुर के जवाहर कला केन्द्र की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। सूचना केन्द्र अजमेर की सामाजिक, सांस्कृतिक, कला, शैक्षिक और सह शैक्षिक गतिविधियों का केन्द्र बनेगा। इसके लिए जल्द प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भिजवाया जाएगा। सूचना केन्द्र और आर्ट गैलेरी शहर के प्रबुद्ध एवं कलाकार वर्ग के लिए शहर के बीचों बीच एक कल्चरल सेंटर के रूप में स्थापित होगीविधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को सूचना केन्द्र में स्मार्ट सिटी योजना के तहत निर्मित आर्ट गैलेरी का लोकार्पण किया। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि अजमेर का सूचना केन्द्र कई दशकों से शहर की शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और सह शैक्षिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत सूचना केन्द्र का पुनरुद्धार किया गया है। इसे जवाहर कला केन्द्र की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। सूचना केन्द्र में बनी आर्ट गैलेरी में एक संविधान गैलेरी, विकास गैलेरी, प्रेस कॉन्फ्रेंस रूम और ऐसी ही अन्य सुविधाएं

विकसित की जाएंगी।विधानसभा अध्यक्ष ने अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी, स्मार्ट सिटी के अधिकारियों व सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस सम्बन्ध में एक विस्तृत योजना तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाएं। इसके लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। सूचना केन्द्र में सांस्कृतिक आयोजन से जुड़ी सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसे अजमेर के प्रबुद्ध वर्ग, कलाकारों, रंगकर्मियों, फोटोगाफर्स और अन्य वर्गों के लिए विकसित किया जाएगा। देवनानी ने आर्ट गैलेरी का लोकार्पण करने के बाद पूरे भवन का निरीक्षण किया। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के कार्यालय में बनी इस आर्ट गैलेरी के निर्माण में स्मार्ट सिटी योजना के तहत 4.34 करोड़ रूपए खर्च किए गए है। योजना में बेसमेंट सहित 4 मंजिला भवन का निर्माण किया गया है। इसमें 30 हजार स्क्वायर फीट में 3 बड़ी कला दीर्घाएं, गेस्ट हाउस, लाइब्रेरी, कार्यालय कक्ष, उपनिदेशक, जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी एवं अन्स स्टाफ के कक्ष, वाचनालय एवं अन्य कक्ष तैयार किए गए हैं।

मीडिया क्लब सहित विभिन्न संस्थानों ने जताई खुशी–

सूचना केन्द्र में आर्ट गैलेरी शुरू होने पर अजमेर मीडिया क्लब सहित विभिन्न संगठनों ने हर्ष व्यक्त किया है। मीडिया क्लब के अध्यक्ष अभिजीत दवे, अशोक सिंह भाटी एवं शुभम जैन सहित संगठन के पदाधिकारियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि सूचना केन्द्र में नई आर्ट गैलेरी के निर्माण से शहर में सांस्कृतिक, कला एवं शैक्षिक गतिविधियों के लिए एक नया मंच उपलब्ध होगा। यहां निरंतर आयोजन होने से शहर में शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियों का भी विकास होगा।

भीलवाड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई : घोड़ी दाणा पर जुआ खेल रहे 29 जुआंरी गिरफ्तार

राजस्थान निवासी 19 एवं मध्य प्रदेश के 10 जने पकड़े गए, दांव पर लगे 10.87 लाख रुपए नगद, जुआ सामग्री एवं एक करोड़ रुपए कीमत के 9 लग्जरी वाहन जब्त

चमकता राजस्थान

जयपुर/भीलवाड़ा! (खलील कुरैशी) 11 दिसम्बर। भीलवाड़ा जिले की कारोई व गंगापुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर कारोई थानांतर्गत एक फार्म हाउस पर दबिश देकर घोड़ी दाना व ताश के पत्तों पर जुआ खेल रहे 29 जुआरियों को गिरफ्तार कर 10 लाख 87 हजार 50 रुपए नकद सहित जुआ सामग्री व एक करोड़ रुपये कीमत के 09 लग्जरी वाहन जब्त किये है।एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि बुधवार को एसएचओ कारोई लक्ष्मी नारायण गुर्जर को मुखबिर से सूचना मिली कि सुंदरपुरा स्थित एपी फार्म हाउस में बहुत सारे लोग घोड़ी दाणा पर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर एएसपी रोशन पटेल व सीओ रविन्द्रप्रताप सिंह के सुपरविजन एवं एसएचओ गंगापुर फूल चन्द व एसएचओ लक्ष्मीनारायण गुर्जर के नेतृत्व में 20 सदस्यीय टीम गठित की गई।गठित टीम द्वारा सुन्दरपुरा पहुंच एपी फार्महाउस पर दबिश दी गई। जहां कुल 29 व्यक्ति घोड़ा दाणा पर रुपयों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने इन जुआरियो के पास से 6 लाख 73 हजार 50 रुपये व सभी के बीच में रखे कुल 4 लाख 14 हजार रुपये मिले। मौके पर घोड़ी दाणा, दो ताश की गड्डी व सिगरेट-माचिस के पैकेट मिले। इस प्रकार सम्पूर्ण रकम 10 लाख 87 हजार 50 रुपए व जुआ सामग्री एवं मौके पर खड़े कुल 09 लग्जरी वाहन जब्त किये गये। मामले में थाना कारोई पर राज. जुआ अधिनियम 1949 एव बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश के 10 जुआरी गिरफ्तार

इसी प्रकार सोनु चौहान (40), सिदीक खा (45) व साहिद खा (46) निवासी थाना सिटी कोतवाली जिला मंदसोर एमपी, मनोहर शर्मा (34), पंकज जैन (42) व कुलदीप शर्मा (33) निवासी जावद जिला नीमच एमपी, शाहरूख (32) निवासी थाना रतनगढ जिला नीमच एमपी, गिरिश जैन (43) निवासी थाना बडोद जिला आगर एमपी, योगेश सेन (40) निवासी कनावटी थाना नीमच एमपी, चाहत जैन (47) निवासी थाना नीमच छावनी एमपी को गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान के 19 जुआरी गिरफ्तार, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, कोटा, ब्यावर, अजमेर व शाहपुरा के है निवासी

मौके से पुलिस ने आरोपी अनिल पटवा (33) निवासी थाना भदेसर जिला चित्तौड़गढ़, मोहम्मद यामिन (62), शारिक (26) व तबरेज अहमद (44) निवासी थाना निम्बाहेडा कोतवाली जिला चितोडगढ, समीर (26) निवासी थाना सदर निम्बाहेडा जिला चित्तौड़गढ़, हीरा लाल सिंधी (48) निवासी थाना प्रताप नगर जिला भीलवाड़ा , राजेश कुमार खटीक (50), रफीक मोहम्मद (69) व बंसती लाल सोनी (30) निवासी थाना भीमगंज जिला भीलवाड़ा, मुज्जफर शेख (42) निवासी थाना कोतवाली जिला भीलवाडा, मदनसिह चौहान (43) व इकबाल मोहम्मद (32) निवासी थाना सुभाषनगर जिला भीलवाड़ा, महबुब अली (53) निवासी थाना गंज जिला अजमेर, मुकेश जाट (37) थाना सिविल लाईन अजमेर, मुकेश खटीक (35) निवासी थाना शाहपुरा जिला शाहपुरा, राजेन्द्र माली (49) थाना ब्यावर शहर जिला ब्यावर, मुकेश लौहार (27) निवासी थाना जवाजा जिला ब्यावर, वकार खान (30) निवासी थाना गुमानपुरा जिला कोटा, सुरेश बंजारा (42) निवासी थाना महावीर नगर कोटा को गिरफ्तार किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929